# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्य नमस्कार रखे आपको हरदम फिट पेज: 7 | सीरियस ए ट्रेस टैग पर बोलीं संजीदा शेख पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 133 | सोमवार 17 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


### पीएम मोदी ने भारतीय फार्मा कंपनियों से दुनिया की शीर्ष 5 कंपनियों में जगह बनाने को कहा

**नई दिल्ली:** 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में दवा क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय फार्मा कंपनियों से दुनिया की शीर्ष पांच कंपनियों में जगह बनाने का आह्वान किया। कल शनिवार को नई दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने दवा क्षेत्र में बहुत काम किया है। लेकिन समय की मांग है कि दुनिया की पांच बड़ी फार्मा कंपनियों में भारतीय कंपनी का नाम शाामिल होना चाहिए। भारत को अपनी पांच बड़ी फार्मा कंपनियां दुनिया के सामने रखनी चाहिए, क्योंकि लोग हमसे उम्मीद करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त भारतीय ब्रांडों के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंसल्टिंग और अकाउंटिंग फर्मों को भी दुनिया की टॉप फर्मों में शामिल होने की कोशिश करनी चाहिए

# पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के लिए विश्व के नेताओं का आभार जताया

**नई दिल्ली एजेंसी:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर विश्व के नेताओं द्वारा दी गई हार्दिक शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया और दुनिया भर से प्राप्त बधाई संदेशों के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं देने के लिए लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे समेत अन्य नेताओं का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं देने के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का आभार व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा, मेरे दोस्त, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद! भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों के नेताओं ने भी भारत को स्वतंत्रता

दिवस पर शुभकामनाएं दीं। भूटान के प्रधानमंत्री तोबगे ने अपने बड़े भाई प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि दोनों देशों की मित्रता और संबंध लगातार प्रगाढ़ होते रहेंगे। पीएम मोदी ने इसके जवाब में कहा, हम भूटान के साथ अपनी उस विशेष और स्थायी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं, जो निरंतर मजबूत हो रही है। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने मोदी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि नेपाल और भारत के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंध, लोगों के आपसी रिश्ते तथा सहयोग आने वाले वर्षों में लगातार मजबूत होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताते हुए कहा कि

**मोदी ने उनका आभार जताते हुए कहा कि भारत दोनों देशों....**

**उन्होंने कहा, हम इस साझेदारी को और गहरा तथा व्यापक बनाने एवं इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताते हुए कहा कि भारत दोनों देशों के बीच घनिष्ठ एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत**

भारत एवं नेपाल के लोगों के कल्याण एवं पारस्परिक समृद्धि के लिए दोनों देशों के बीच बहुआयामी तथा सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत करने के वास्ते भारत मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, सरकार और भारत के मित्रवत लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता के आठ दशक भारत की सरकार और उसके लोगों की आकांक्षाओं, दृढ़ता तथा अटूट भावना को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा, इस शुभ अवसर पर मैं आपसी सम्मान, साझा समृद्धि और दोनों देशों के लोगों के बीच स्थायी मित्रता पर आधारित हमारी घनिष्ठ साझेदारी को और आगे बढ़ाने की मालदीव सरकार की प्रतिबद्धता दोहराता हूं। पीएम मोदी ने शुभकामनाओं के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू का आभार जताते हुए कहा, भारत और मालदीव के बीच मित्रता का संबंध निरंतर मजबूत होता रहे। वहीं, साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि साइप्रस और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी साझा सिद्धांतों तथा समान हितों पर आधारित है तथा यह साझेदारी भविष्य की योजनाओं से निर्देशित है और दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा, हम इस साझेदारी को और गहरा तथा व्यापक बनाने एवं इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताते हुए कहा कि भारत दोनों देशों के बीच घनिष्ठ एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए

## कौन हैं 'दिमागी नक्सली'? केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गिनाईं तीन पहचान

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सल नहीं कहा था। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम समेत विपक्ष के कई नेताओं की तीखी टिप्पणियों के बाद रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह सफाई दी। किसे कहा गया 'दिमागी नक्सल'? रिजिजू ने अपने पोस्ट में साफ किया कि 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल विशेष रूप से उन लोगों के लिए किया गया है जो, माओवादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते। अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं और जम्मू-कश्मीर में

अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। भारत के पूर्वोत्तर हिस्से को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने के लिए चिकन्स नेक को काटने की साजिश रचते हैं। पीएम मोदी के संबोधन के बाद उपजा विवाद इससे पहले, 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने हजारों सुरक्षाकर्मियों के बलिदान को याद किया और हथियारबंद नक्सलियों के सफल खात्मे पर देश को बधाई दी। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सालों तक सार्वजनिक जीवन और सरकारी समितियों में माओवादी सोच वाले लोगों का प्रभाव रहा है। दिमागी नक्सल मौके की तलाश में पीएम मोदी ने कहा भले ही जंगल में हथियार उठाने वाले नक्सल खत्म हो गए हों, लेकिन दिमागी नक्सल अब भी मौके की तलाश में हैं। वे हिंसा के तरीके ढूंढ रहे हैं और देश को गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग किया जाना चाहिए। चिदंबरम का तंज प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद सियासत तेज हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने पीएम मोदी के भाषण का जिक्र करते हुए पर एक पोस्ट किया। उन्होंने इस टिप्पणी पर सीधा पलटवार करते हुए लिखा कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है।

## राष्ट्रगीत के अपमान का आरोप, चित्तौड़गढ़ में अमित शाह ने सोनिया गांधी पर साधा निशाना

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का अपमान करने का गंभीर आरोप लगाया। शाह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' गाया जा रहा था, लेकिन गीत के बीच में ही कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने पार्टी अध्यक्ष से गाना रुकवाने के लिए कहा। देश की जनता इस पाप को कभी माफ नहीं करेगी कांग्रेस पर निशाना

साधते हुए अमित शाह ने कहा कि टीवी पर पूरा देश इस दृश्य को देख रहा था। उन्होंने कहा, "सोनिया जी, 140 करोड़ लोग आपको देख रहे हैं। आपने जो पाप किया है, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। कोई 'वंदे मातरम' जैसे राष्ट्रगीत को अधूरा छोड़ने का सपना भी कैसे देख सकता है? कांग्रेस के लोगों को शर्म आनी चाहिए।" शाह ने कांग्रेस से माफी की मांग गृह मंत्री ने मांग की कि इस कृत्य के लिए कांग्रेस पार्टी को देश की जनता और राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों और गीतों का इस तरह से अनावरण या अपमान बर्दाश्त करने योग्य नहीं है।

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण चित्तौड़गढ़ दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में देश के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान उन्होंने अटल जी के योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

## झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र हेमंत सोरेन का पुतला जलाएंगे, 20 अगस्त को करेंगे सीएम आवास का घेराव

**राची एजेंसी:** झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों ने घोषणा की है कि वे रविवार को राज्य के सभी 24 ज़िलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले जलाएंगे। उनका आरोप है कि सत्ताधारी झामुमो-कांग्रेस गठबंधन उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई करने में नाकाम रहा है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के तहत जारी विरोध प्रदर्शन का रविवार को 23वां दिन है। आंदोलनकारियों ने सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस पर छात्रों के मुद्दों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया और घोषणा की कि वे सोरेन के इस्तीफे की मांग करते हुए 20 अगस्त को उनके आवास का घेराव करेंगे। शनिवार को उन्होंने मांग की कि अगर मुख्यमंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं तो राहुल गांधी झामुमो नीत गठबंधन से समर्थन वापस ले लें। उन्होंने देश के 80वें स्वतंत्रता

दिवस के मौके पर और भर्ती परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुधार की अपनी मांग को लेकर शनिवार को रांची में तिरंगा यात्रा निकाली। हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लिए प्रदर्शनकारियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे नारे लगाए। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के नेता रवींद्र पासवान ने कहा, हम 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। हम उनके इस्तीफे की मांग करते हैं क्योंकि झामुमो और कांग्रेस, दोनों ही हमारे साथ राजनीति कर रहे हैं। हमारी यह भी मांग है कि अगर मुख्यमंत्री राहुल गांधी की बात नहीं सुन रहे हैं, तो उन्हें झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन से समर्थन वापस ले लेना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने पूरे झारखंड के छात्रों से अपील की कि वे 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास के प्रस्तावित घेराव के लिए रांची में एकत्र हों। उन्होंने गांधी को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि उन्होंने छात्रों का समर्थन करने की बात तो कही, लेकिन उसके बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

## सोनिया गांधी पर प्राथमिकी नहीं हुई तो कोर्ट जाएंगे बीजेपी नेता, वंदे मातरम विवाद में दी लिखित शिकायत

**नई दिल्ली एजेंसी:** भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक के मंगलोर स्थित उर्वा पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दी है। इसमें वंदे मातरम गीत का अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। बीजेपी का आरोप, जानबूझकर रुकवाया गया वंदे मातरम शिकायत दर्ज कराने वाले बीजेपी नेता विकास पुत्तूर ने कहा कि 15 अगस्त को ध्वजारोहण के बाद जब वंदे मातरम गाया जा रहा था, तब सोनिया गांधी ने बीच में रोक-टोक की। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया जी ने वहां मौजूद कार्यकताओं को गाना रोकने के लिए कथित तौर पर इशारा किया, जिसे पूरे देश ने देखा है। बीजेपी नेता ने दावा किया कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा से वंदे मातरम का विरोध करने का रहा है और राष्ट्रगीत को इस तरह बीच में रुकवाना कानूनन एक अपराध है। अमित शाह ने भी मांगा था जवाब, अब कोर्ट जाने की तैयारी इससे पहले खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और सोनिया गांधी पर हमला बोलते हुए कहा था कि उन्हें इस हरकत के लिए पूरे देश और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, शिकायतकर्ता विकास पुत्तूर ने साफ कर दिया है कि अगर पुलिस और राज्य सरकार इस शिकायत पर कोई सख्त एक्शन या ऋक्षक्र दर्ज नहीं करती है, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे इस मामले को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे और कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

## आशीष बनर्जी के परिवार से सीएम सुवेंदु अधिकारी ने की बात, कहा- सच सामने लाएगी बीजेपी सरकार

**बंगाल एजेंसी:** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आशीष बनर्जी के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने बनर्जी के परिवार से फोन पर बात की और दुख जताया। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आशीष बनर्जी एक बहुत ही सज्जन और अच्छे नेता थे। उनके अपने इलाके के बीजेपी कार्यकताओं और आम लोगों के साथ भी हमेशा अच्छे रिश्ते रहे। उन्होंने कहा कि उनके खुद के भी आशीष बनर्जी के साथ बहुत गहरे और अच्छे संबंध थे। धमकियों और कॉल रिकॉर्ड की होगी जांच मुख्यमंत्री ने अंदेशा जताया कि टीएमसी के कुछ भ्रष्ट लोग आशीष बनर्जी को डराने-धमकाने में लगे थे, ताकि किसी जांच में उनका नाम सामने न आ जाए। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और इस बात का पता लगाया जाए कि क्या उन्हें किसी ने धमकी दी थी। उन्होंने पुलिस से उनके कॉल रिकॉर्ड्स भी चेक करने को कहा है। परिवार को पुलिस के

साथ सहयोग करने की सलाह शुभेंदु अधिकारी ने उनके परिवार से पुलिस जांच में मदद करने को कहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीजेपी सरकार इस मामले की तह तक जाएगी और सच सामने लाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वे जल्द ही आशीष बनर्जी के परिवार से मिलने उनके घर भी जाएंगे। टीएमसी दफ्तर में मिला पूर्व उप स्पीकर का शव पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और टीएमसी के पूर्व विधायक आशीष बनर्जी का शव रविवार सुबह बीरभूम जिले के रामपुरहाट में टीएमसी ऑफिस में फांसी के फंदे से लटका मिला। 74 साल के आशीष बनर्जी इस इलाके से पांच बार विधायक रह चुके थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया और राजनीति में आने पर अफसोस जताया है।

## सीएम बोले- बीआरएस ने सरकार गिराने के लिए कराया तंत्र-मंत्र

### तेलंगाना में तंत्र-मंत्र को लेकर राजनीति गर्माई

**हैदराबाद (एजेंसी)।** तेलंगाना की राजनीति में इन दिनों एक अजीबोगरीब और गंभीर विवाद ने जन्म ले लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य विपक्षी दल भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। संगारेड्डी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बीआरएस के नेता कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने और उसे बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र और काले जादू का सहारा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नेता राज्य में सूखे की स्थिति पैदा होने और किसानों की परेशानियों के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं, ताकि सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर नाम लिए बिना बीआरएस विधायक टी. हरीश राव पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव ने कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों में जाकर तंत्र-मंत्र अनुष्ठान किए हैं। इस विवाद को

हवा देते हुए तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने भी पूर्व में यह दावा किया था कि हरीश राव ने राज्य में बारिश को रोकने के लिए क्षुद्र पूजा का आयोजन किया था। इससे पहले 13 अगस्त को भी मुख्यमंत्री ने बीआरएस पर इसी तरह के आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने रायथु भरोसा योजना के तहत लगभग 70 लाख किसानों के बैंक खातों में 36 हजार करोड़ रुपए की राशि स्थानांतरित की है। उन्होंने दावा किया कि एल नीनो के प्रभाव के बावजूद गोदावरी और कृष्णा नदियों में पर्याप्त जल उपलब्धता बनी रही। साथ ही, राज्य सरकार की ओर से हर महीने 3.48 करोड़ लोगों को 2 लाख क्विंटल से अधिक चावल वितरित किया जा रहा है।

दूसरी ओर, बीआरएस नेता हरीश राव ने मुख्यमंत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन पर पलटवार किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर स्वतंत्रता दिवस जैसे गरिमापूर्ण अवसर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि वे भ्रष्टाचार, अधूरी किसान कर्ज माफी और खाद की कमी जैसे जनहित के मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं, जिससे बौखलाकर मुख्यमंत्री उन पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आगे भी किसानों, बेरोजगार युवाओं और छात्रों की आवाज उठाते रहेंगे। हरीश राव ने चेतावनी दी है कि वे मुख्यमंत्री के इन आरोपों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे।

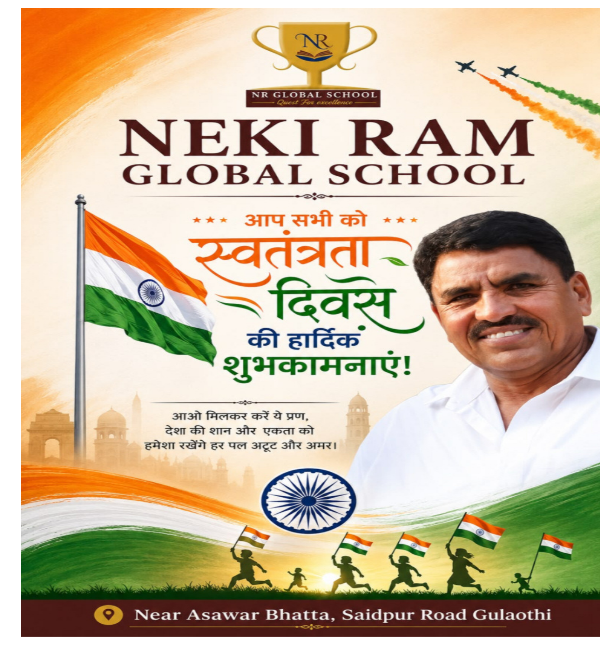

## संपादकीय

### वी डोंट केयर संसद

राहुल गांधी और अमित शाह बुनियादी तौर पर दोनों लोकसभा सांसद हैं। चूंकि राहुल विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के संसदीय दल के नेता हैं, लिहाजा उन्हें 'नेता प्रतिपक्ष' तय किया गया है। अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट के सदस्य हैं और उन्हें 'गृहमंत्री' का दायित्व सौंपा गया है। दोनों ही नेता संसद से 'सुप्रीम' नहीं हैं और न ही लोकसभा उनकी बपौती है। दोनों ही संसद के प्रति जवाबदेह हैं और नियम-प्रक्रिया से बंधे हैं। दिल्ली में छात्र, युवा आंदोलन के बाद गृहमंत्री अमित शाह संसद में दिखाई नहीं दिए। संसद भवन के अपने चैंबर में उपस्थित रहना और सदन में मौजूदगी बिल्कुल विपरीत स्थितियां हैं। गृहमंत्री को दोनों सदनों में बयान देकर आंदोलन के दौरान, उसके बाद और प्रदर्शनकारियों पर बर्बर हमलों को लेकर पहले ही स्पष्टीकरण दे देना चाहिए था। यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष यह मांग लगातार करता रहा कि गृहमंत्री सदन में आएं और बताएं कि पैलेट गन क्यों चलाई गई? कीलों वाली लाठियां क्यों भांजी गईं? किसने आदेश दिया था? गृहमंत्री के लिए 'गायब, लापता, भगोड़े, भाग गए' सरीखे शब्द विपक्ष ने इसीलिए इस्तेमाल किए, क्योंकि न तो गृहमंत्री सामने आए और न ही बयान दिया। इन अमर्यादित, असंसदीय शब्दों की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। नतीजा यह हुआ कि संसद की कार्यवाही निरंतर स्थगित होती रही। मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और बुधवार, 12 अगस्त, तक 18 दिनों की बैठकें हुईं, लेकिन लोकसभा में कुल 17 घंटे भी काम नहीं किया जा सका। विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही 59 मिनट में 9 बिल ध्वनि-मत से पारित करने पड़े। हरेक बिल पर औसतन 3-5 मिनट खर्च किए गए और किसी भी बिल पर कोई चर्चा नहीं की गई। राज्यसभा में भी करीब 31 फीसदी काम किया जा सका। इन 18 दिनों में देश के करदाताओं के 118 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पर पानी फेर दिया गया, जबकि सांसदों के भत्ते 'अलग खर्च' हैं। क्या इसी तरह देश का पैसा फूंकने और बिना चर्चा के बिल पारित करने को ही संसद बनी है? यहां यह भी प्रासंगिक है कि हमारी संसद अब साल में औसतन 50-65 दिन ही जुटती है और उस दौरान भी हंगामा मचा रहता है। अमरीका, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में संसद साल में 140-160 दिन काम करती है। यह तुलना हमारे अधिकतर 'माननीय' नहीं जानते होंगे! बहरहाल जब मॉनसून सत्र 'साइनेडाई' (अनिश्चित काल के लिए स्थगित) होने को आया, तो गृहमंत्री अमित शाह सामने आए और हर सवाल का जवाब देने की बात कही। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब सदन में हंगामा मच रहा था, कार्यवाही लगातार स्थगित करनी पड़ रही थी, तो वह सदन में आकर क्या करते?

## चिंतन-मनन

### मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वंद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वंद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वंद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भँवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भँवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

सुनील कुमार महला

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4:52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5:00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों ) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है। इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दर्शाती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम् स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृतंक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृतंकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि

भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जैसा कि ऊपर इस

आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

# अब 'दिमागी नक्सली', प्रधानमंत्री ने छेड़ी नई बहस..!

ऋतुपर्ण दवे

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 80वें स्वाधीनता दिवस पर उद्बोधन के दौरान विरोधियों पर कसा गया तंज अब नई और राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सलवाद कह कर की गई टिप्पणी ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री ने किसे या किन्हें दिमागी नक्सली कहा, क्या विपक्ष और आंदोलनकारी छात्रों को या सरकार पर उंगली उठाने वाले हरेक को या फिर संसद न चलने देने वाले विपक्ष को? निश्चित रूप से इस टिप्पणी पर अभी आगे काफी कुछ सियासत होनी तय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से तो निपट लिया गया, लेकिन अब देश को ह्यदिमागी नक्सलियोंह्न से सतर्क रहने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने दशकों तक देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जिसमें हजारों लोगों की जान गई। उनका इशारा था कि अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप यानी दिमागी नक्सलवाद से निपटना जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में दिमागी नक्सली की कोई स्पष्ट या औपचारिक परिभाषा तो दी नहीं और न ही कोई कानूनी परिभाषा बताई। भले ही उनकी टिप्पणी इशारों में रही, लेकिन राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इसके मायने बहुत गहरे हैं। जंतर-मंतर पर हाल ही में जिस तरह कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले छात्र आंदोलन हुआ जो देखते-देखते देश का एक बड़ा और अप्रत्याशित आन्दोलन बन खड़ा हुआ। अब उसके फैलते जाने का अंदेशा भी दिखाई दे रहा है। कहीं उसी पर तो यह टिप्पणी नहीं की? या फिर हाल ही में संसद में लगातार गतिरोध बने रहने और नेता विपक्ष राहुल गांधी के तमाम मंचों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देने की खीझ पर तो निशाना नहीं लगया?

सच यह है कि हाल के दिनों में जेन-जी के जंतर-मंतर पर आन्दोलन के बाद 12 वर्षों में पहली बार मोदी सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। उससे भी गंभीर और बड़ी बात यह कि इस मुद्दे को विपक्ष खासकर राहुल गाँधी ने लपक लिया और संसद से सड़क तक प्रभावशाली तरीके से उठाया। निश्चित रूप से जेन-जी आन्दोलन के चलते महज युवा ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी नाराज दिखे। इससे पहली बार लगा कि मोदी सरकार परेशान है। देखते ही देखते छात्रों की पिटाई, बिना वर्दी के पुलिस वालों की मौजूदगी, पैलेट गन और कील लगी लाठियों के उपयोग को राहुल ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। कहीं दिमागी नक्सली कहकर उनका इशारा इसी पर तो नहीं था?

क्या प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करके देश को सुरक्षा, वैचारिक स्थिरता और सामाजिक एकता से जुड़ाव रखने का साफ और कड़ा संदेश तो देने की कोशिश तो नहीं की? अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को हिंसा और अराजकता से दूर रहना होगा और विकास तथा रचनात्मक कार्यो में सहयोग देना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री दिमागी नक्सलवाद के जरिए विरोधियों को लताड़ तो लगा रहे थे। साथ ही रूठे या उनसे नाराज जेन-जी को भी संदेश दे रहे थे कि वो रचनात्मक कार्यों में सहयोग करें। जंगली नक्सली खत्म हो गए हैं लेकिन जो दिमागी नक्सली सिर उठा रहे हैं, उन्हें पहचानने की बात किसके लिए कह गए? उन्होंने आगे जो कहा वह और भी खास है जिसमें जंगल नक्सलियों की जगह अब शहरों, शिक्षण संस्थानों और बौद्धिक मंचों पर सक्रिय दिमागी नक्सल के लेने की बात कह, सरकार का विरोध करने वालों को तिलमिला दिया। उन्होंने इनसे सावधान रहने का आगाह भी किया। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं जिन्हें पहचानना होगा। उन्होंने साफ किया कि यह वर्ग सीधे हथियार नहीं उठाता, बल्कि अपनी विचारधारा से देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की फिराक में रहता है। पहले भी अर्बन नक्सली कहे जाने पर हंगामा हुआ था जिस पर संसद में बताया गया कि संसद में अर्बन नक्सल शब्द की कोई औपचारिक कानूनी परिभाषा नहीं है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि कानून के तहत इस शब्दावली को परिभाषित नहीं किया गया। हाँ, राजनीतिक बयानों और बहसों में इसका उपयोग अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक विरोध के संदर्भ में किया जाता है। आगे क्या दिमागी नक्सल पर भी यही होगा।

कॉंग्रेस ने दिमागी नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को उनकी घबराहट बताया तो प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सल बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि सरकार और विपक्ष इस बहस को किस दिशा में ले जाते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहाँ सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा सरकार से सवाल पूछा कि शिक्षित युवाओं को नक्सली कहना कितना उचित है? साथ ही यह भी चेताया कि कि देश के हर जिले में एक नया जंतर-मंतर जन्म ले रहा है। यह वह जगह होगी, जहां निराश लोगों को उम्मीद और कमजोर लोगों को एकजुट होने की ताकत मिलेगी। सीजेपी ने सत्ता पक्ष पर युवाओं और जेन-जी को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। सीजेपी की यह टिप्पणी कि इतिहास बताता है कि एकजुट जनता से अधिक शक्तिशाली कुछ नहीं होता, वो बाँटेंगे, हम जोड़ेंगे। वो डर फैलाएंगे, हम साहस फैलाएंगे। अब मन डर से मुक्त है और वापसी का रास्ता नहीं है।

जाहिर है कि दिमागी नक्सली को लेकर अभी काफी कुछ बयान, विरोध, हंगामा और बहुत कुछ देखने मिलना तय है। अब यह वक्त ही तय करेगा दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी किस पर कितना भारी पड़ती है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मयार्दा होती है। यदि

विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# चीनी मिल चन्दनपुर में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

### शहीदों को किया गया नमन, बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति गीत

**रहरा/अमरोहा (सब का सपना):-** त्रिवेणी शुगर चीनी मिल चन्दनपुर में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश के वीर जवानों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान और वन्देमातरम गायन हुआ। इस वर्ष राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम की 150वीं जयंती होने के कारण विशेष महत्व रहा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने क्षेत्र से आए गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इसमें मनोज त्यागी, सिरसाकरन, अशरफ नागर, नाबपुर, भूरे सिंह, पूर्व प्रधान राजवीर सिंह, पूर्व प्रधान ओमकार सिंह, प्रमोद त्यागी, मास्टर जयपाल सिंह, भागमल सिंह, वीरेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह, प्रमोद प्रधान, दीपक सिंह सहित अन्य क्षेत्रीय कृषक, पत्रकार एवं चीनी मिल के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। चीनी मिल कॉलोनी में रहने वाले बच्चों ने देशभक्ति गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल देशभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन ए0के0 तिवारी ने किया। महाप्रबन्धक तकनीकी रवि गुप्ता ने कहा कि इस वर्ष चीनी मिल कुछ दिन पहले चलाई जा सकती है। इसके लिए सभी को टीम भावना से पहले से तैयार रहकर लक्ष्य पूरा करना होगा। महाप्रबन्धक उत्पादन टी.सी.राजीव ने चीनी की गुणवत्ता और बेहतर बनाने पर जोर दिया।गन्ना महाप्रबन्धक इन्द्रकुमार शर्मा ने किसानों से अपील की कि वे अपना समस्त गन्ना चीनी मिल में ही आपूर्ति करें। उन्होंने समय से भुगतान का आश्वासन भी दिया। एच0आर0 हेड अमेज कुमार सिंह ने देश की महानता, वीर शहीदों के बलिदान और देश विभाजन के नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने किसानों से कहा कि वे गन्ना अन्य स्थानों पर ऑन-पौन दामों में न बेचें। चीनी मिल समय से भुगतान के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने आगामी शरदकालीन बुवाई के लिए किसानों से को0 0238 के स्थान पर को. 118, को. 98014, को. 15023, को. लख 14201, को.जा. 85 एवं को.जा. 88 प्रजातियों की अधिक से अधिक बुवाई करने की अपील की।

अन्त में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों, हाईस्कूल/इण्टर में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के बच्चों, सर्वाधिक उपस्थिति और सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

# हसनपुर विधानसभा-42 के ग्राम गंगवार में 10 लाख की लागत से सीसी रोड का शुभारंभ

### ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने किया फीता काटकर उद्घाटन

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के हसनपुर विधानसभा-42 क्षेत्र के ग्राम गंगवार में रविवार को ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी के द्वारा 150 मीटर सीसी रोड का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस सड़क की अनुमानित लागत 10 लाख रुपये है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि क्षेत्र में बेहतर सड़क, सुगम आवागमन और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता है। विकास कार्यों को धरातल पर उतारकर जनता को सुविधा उपलब्ध कराना ही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हसनपुर विधानसभा-42 के प्रत्येक गांव में विकास की नई राह मजबूत हो और क्षेत्र निरंतर प्रगति की ओर आगे बढ़े। कार्यक्रम में क्षेत्र पंचायत सदस्य चौधरी अकील, चौधरी समीउल्लाह, चौधरी तजीर, छोटे खां, रईस खां, आमिर, अब्दुल समद, उस्मान, साने आलम, पंचायत सहायक शहावेज, आदिल सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

# द आइकॉनिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

**अमरोहा (सब का सपना):-** द आइकॉनिक स्कूल, जलालपुर खुर्द में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, देशभक्ति और उत्साह के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक धारीवाल, निदेशक तथा स्कूल के प्रधानाचार्य बाबू खान द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी शिक्षकों,विद्यार्थियों और अभिभावकों ने तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए, जिनके माध्यम से देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को भावपूर्ण ढंग से याद किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति की लहर साफ नजर आई। मुख्य अतिथि दीपक धारीवाल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का सही महत्व समझाया और उन्हें देश का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य बाबू खान ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंच का संचालन स्कूल के छात्र आकर्ष और छात्रा त्रीषा ने कुशलतापूर्वक किया। अंत में सभी उपस्थित लोगों के बीच मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का सफल और यादगार समापन हुआ।

# प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में धूमधाम से निकली तिरंगा रैली

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में शुक्रवार को धूमधाम एवं देशभक्ति के वातावरण में तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों के साथ ग्रामीणों को राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। रैली के दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर पूर्व एआरपी विकास राहुल, ग्राम प्रधान राजकुमार सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह, इंचार्ज अध्यापक मदनपाल, सहायक अध्यापक सतेंद्र सिंह, अमित कुमार, अजय सागर, संतराम सिंह, चन्द्रमुखी, रेनू कंसल, गुड्डु सिंह, नरेंद्र सिंह, विनोद कुमार, जगलाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

# आमजन के विश्वास का प्रतीक बनी अमरोहा पुलिस की कार्यप्रणाली, श्रद्धालु ने पुलिस के नाम समर्पित की कांवड़

**अमरोहा (सब का सपना):-** पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु निरंतर किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव आमजन के बीच देखने को मिल रहा है। पुलिस की कार्यशैली एवं कर्तव्यनिष्ठा से प्रभावित होकर एक श्रद्धालु द्वारा एक कांवड़ उत्तर प्रदेश पुलिस के नाम लेकर आने का मामला सामने आया है। उक्त श्रद्धालु द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों के उत्साहवर्धन एवं उनके द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए यह कांवड़ उत्तर प्रदेश पुलिस के नाम समर्पित की गई। यह पहल आमजन एवं पुलिस के मध्य स्थापित हो रहे विश्वास, सहयोग एवं आत्मीय संबंधों का सकारात्मक उदाहरण है। कांवड़ यात्रा के दौरान अमरोहा पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात, मार्ग व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार व्यापक स्तर पर ड्यूटी एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। पुलिसकर्मी भीषण गर्मी एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं की हरसंभव सहायता कर रहे हैं। एक कांवड़ उत्तर प्रदेश पुलिस के नाम की यह पहल अमरोहा पुलिस के लिए न केवल सम्मान का विषय है, बल्कि पुलिसकर्मियों के मनोबल एवं उत्साह को बढ़ाने वाली भी है। अमरोहा पुलिस आमजन के इस विश्वास एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त करती है तथा भविष्य में भी इसी समर्पण एवं संवेदनशीलता के साथ जनता की सेवा हेतु प्रतिबद्ध है।

# ढवारसी में युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

### गांव-गांव संगठन मजबूत करने पर जोर, नए युवाओं को दिलाई सदस्यता

**ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):-** युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा द्वारा रविवार को ढवारसी कार्यालय पर संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सकतपुर-करनपुर क्लस्टर के प्रत्येक गांव से एक-एक युवा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई गई। नए युवाओं को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में आगामी सितंबर माह में युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष यशस्वी रविंद्र सिंह पटेल जी के अमरोहा आगमन की तैयारियों को लेकर विस्तृत रूपरेखा भी तैयार की गई। कार्यक्रम की तिथि शीघ्र ही घोषित की जाएगी। इस अवसर पर आदरणीय योगेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ रुहेलखंड, अंसार मलिक, जितेंद्र सिंह राणा, विशाल प्रजापति, पुष्पेंद्र सैनी, तस्लीम अहमद, नौशाद अली, रईस अहमद, अमरजीत, बांके सिंह चौहान, लक्की चीमा, विवेक नागर, सतेंद्र नागर, फिरासत अली, राजबीर, राशिद अली सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष इरकान अली ने कहा कि युवा राष्ट्रीय लोकदल संगठन को जिले के प्रत्येक गांव और बूथ स्तर तक मजबूत एवं सक्रिय करने के लिए निरंतर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि सितंबर माह में होने वाले प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल जी के कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए युवा कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुटेंगे। युवा ही संगठन की ताकत हैं और गांव-गांव तक मजबूत संगठन ही पार्टी की सफलता का आधार बनेगा। अमरोहा जनपद में संगठन की मजबूती के लिए युवाओं को लगातार पार्टी से जोड़ा जा रहा है और आने वाले समय में इसका विस्तार और तेज किया जाएगा।

# गजरौला पुलिस ने 02 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा, चोरी की हुई दो बाइकें बरामद

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की गजरौला पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से दो चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है जिसके बाद पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अपराध से संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। बता दें कि पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के आदेश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध जनपद भर में चलाये जा रहे अभियान के तहत किया गया है। इसके बारे में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक 15 अगस्त 2026 को मुखबीर की सूचना पर खाद गुर्जर रोड स्थित यश पब्लिक स्कूल के सामने दो वाहन चोर मोहित कुमार पुत्र प्रेमपाल सिंह निवासी मोहल्ला गंगानगर कस्बा व थाना गजरौला ,जिला अमरोहा ,उम्र 19 वर्ष एवं आर्यन कुमार पुत्र कावेंद्र सिंह निवासी मोहल्ला जवाहर नगर ,थाना गजरौला, जनपद अमरोहा उम्र 19 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी की गई दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक अभियुक्तगणों द्वारा बाइकों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहे थे अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि हमसे जो मोटरसाइकिल बरामद हुई है उनमें से एक मोटरसाइकिल जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी है उसे हमने गंगा पुल के पास बृजघाट से उठाया था और दूसरी मोटरसाइकिल जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी है उसे हमने ग्राम हीमपुर बुजुर्ग ,थाना चांदपुर से चोरी किया था जिसके संबंध में थाना चांदपुर जनपद बिजनौर पर संबंधी धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है। पुलिस द्वारा दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को उनके द्वारा किए गए अपराधों से अवगत कराया गया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को उनके द्वारा किए गए अपराध से संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

# प्राथमिक विद्यालय बिजनपुर में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

### प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने किया ध्वजारोहण, गांव में निकाली गई रैली

**आदमपुर /अमरोहा (सब का सपना):-**स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय बिजनपुर में शनिवार को धूमधाम के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल वी ग्राम प्रधान नौशाद अहमद द्वारा ध्वजारोहण कर की गई। इसके बाद सभी शिक्षकों, बच्चों और ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में देशभक्ति गीत, नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने तिरंगा झंडा लेकर गांव में प्रभात फेरी/रैली निकाली। रैली के दौरान "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारे गूंजे। प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था। शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने बच्चों से अनुशासन, देशभक्ति और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत सभी को अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश की एकता और अखंडता को मजबूत करना चाहिए। इस अवसर पर छिद्दन ठेकेदार बलवीर सिंह रणजीत सिंह शौराज सिंह शोभित कुमार अमित यादव हिमांशु कुमार यादव रामेश्वरी मीनाक्षी कल्लो देवी आदि ग्रामीण व स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

# जुबिलेंट एवं जेबीएफ के सेंटर में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के गजरौला औधोगिक नगरी स्थित जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड एवं जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के भारत इम्पेक्ट स्किलिंग सेंटर में 80 वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा ने 34 सुरक्षाकर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया। बता दें कि शनिवार को जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में यूनिट हेड विनोद झा ने कार्यक्रम स्थल पर गारद का निरीक्षण किया। परेड की सलामी भी ली। इसके उपरांत राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस मौके पर रंजना झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, सुरक्षा प्रमुख वीरेंद्र सिंह नेगी, आर ए शर्मा, देशराज सिंह, गौरव शर्मा, कपिल जोशी, प्रदीप शर्मा, सुनील ए सिंह, सुनील गुप्ता, तिरुमतइया मुक्कू, दिलीप पांडे आदि भी मौजूद रहे। उधर, जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) के हाईवे किनारे स्थित भारत इम्पैक्ट स्किलिंग सेंटर में ध्वजारोहण के उपरांत संस्थान के छात्र-छात्राओं ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। साइबर सुरक्षा और महिला सशक्तिकर पर नुक्कड़ नाटकों को दर्शकों ने खूब सराहा। बेसिक आईटी कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिड के पर्यावरण हेड फल्गुनी सरन चौधरी रहे। जेबीएफ के उप-प्रबंधक-सीएसआर विशाल गौरव, जेबीएफ से बूंदी सिंह, नवनीत ग्रेवाल, राहुल, आशु, यश, दीपक और एनआईआईटी फाउंडेशन से पूजा उपस्थित रहीं।

# केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जनपद के केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ललित विजय राय (एलडीएम, संभल) रहे। उन्होंने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना व्यक्त की। मुख्य अतिथि ललित विजय राय ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश की आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के साथ राष्ट्र के विकास में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर आरसेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने देश की एकता, अखंडता और विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान परिसर देशभक्ति के नारों और उत्साह से गूंजता रहा। अंत में अतिथियों, प्रशिक्षणार्थियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मानसी शर्मा, मयंक वार्ष्णेय, सुजीत सिंह, विशेष, रनवीर सिंह, विकास बाबू सहित अन्य कर्मचारीगण एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

# सपा कार्यालय पर मनाई गई वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती

**संभल (सब का सपना):-** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय संभल पर वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की तथा संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस दौरान पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने रानी अवंती बाई लोधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी भारत की वीरांगनाओं में से एक थीं। उन्होंने वर्ष 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा संभाला और देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते हुए अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि रानी अवंती बाई का साहस, त्याग और देशभक्ति आज भी सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि रानी अवंती बाई का जीवन हमें अन्याय के सामने नहीं झुकने की प्रेरणा देता है। उन्होंने महिलाओं को भी देश और समाज की रक्षा के लिए आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने सभी से वीरांगना के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। जयंती कार्यक्रम के बाद शिक्षक खंड बरेली-मुरादाबाद के प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर के चुनाव को लेकर बैठक हुई। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, पूर्व मंत्री अकील रहमान एवं संगीता पाल ने कार्यकताओं से अधिक से अधिक मत बनवाने तथा चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर युवजन सभा के जिलाध्यक्ष बिट्टू कश्यप ने फैयाज को युवजन सभा का जिला सचिव मनोनीत किया।

कार्यक्रम में सुभाष पाल, इरफान प्रधान, शोभित कुमार काका, फैजान शाही, पूरन लाल मौर्य, कामरेड रेवाराम, राहुल यादव, अमरीश यादव, अशोक यादव, मुतजाब हुसैन, आमिर खान एडवोकेट, मोहसिन खान, सुमित यादव, गिरीश यादव, सईद अख्तर, नदीम खान, शिवम यादव, हबीब अहमद, रवि शंखधार, शेखर शर्मा, पूरन सिंह, विजय यादव, राजकुमार, शफीक, मौ. इरशाद, फराज, नजाकत, हाजी तसव्वुर, सिरसी खलील, शाहिद हुसैन, मोहम्मद नदीम, तौकीर प्रधान, जाहिद खान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# डिवाइडर के लोहे के जाल में फंसा घोड़ा, यातायात पुलिस ने बचाई जान

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** शनिवार की देर रात पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन में यातायात पुलिस कांवड़ मार्ग पर यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा ड्यूटी में तैनात थी। इसी दौरान बहजोई मार्ग पर प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह की नजर डिवाइडर में लगे लोहे के जाल के नीचे फंसे एक घोड़े पर पड़ी। घोड़ा काफी देर से फंसा हुआ था और बाहर निकलने के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। प्रभारी यातायात ने तत्काल वाहन रुकवाकर अपनी टीम के साथ घोड़े को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। हेड कांस्टेबल सन्नी तोमर, विकास एवं आरक्षी हिरेंद्र के साथ पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत और सावधानी के बाद घोड़े को लोहे के जाल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते पुलिसकर्मियों द्वारा की गई मदद से बेजुबान घोड़े की जान बच गई। यातायात पुलिस की इस संवेदनशील पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की गई। इस घटना से यह संदेश भी सामने आया कि पुलिस यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के साथ-साथ जरूरतमंद बेजुबानों की सहायता के लिए भी तत्पर है।

# देशभक्ति के रंग में रंगा संभल, धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जनपद में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। मंडी समिति बहजोई स्थित पुलिस लाइन में आयोजित मुख्य समारोह की मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी रहीं। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू एवं पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण किया, जिसके बाद सभी ने राष्ट्रगान गाया। मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, वंदे मातरम् सहित देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भीख से सीख कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व में भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों द्वारा गठित बैंड को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 कार्मिकों को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव ने राष्ट्रप्रेम, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि गुलाब देवी ने कहा कि जीवन में समय का सदुपयोग करना चाहिए और अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# विद्यालय का छज्जा गिरने से आठ वर्षीय बालक की मौत, दो बच्चे घायल

**असमोली/संभल (सब का सपना):-** विकासखंड असमोली के ग्राम मदाला फतेहपुर स्थित अल हसनैन पब्लिक स्कूल में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब विद्यालय का छज्जा अचानक गिर गया। हादसे में मलबे की चपेट में आने से आठ वर्षीय बालक निजामुद्दीन पुत्र मोहम्मद नईम की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। घायल बच्चों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण करते हुए हादसे की पूरी जानकारी ली। अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों से घटना के कारणों और मौके की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा घायलों के समुचित उपचार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मृतक बालक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए संबंधित अधिकारियों को घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हादसे के बाद विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और भवन की स्थिति को लेकर भी अधिकारियों ने जानकारी ली। प्रशासन की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक तथ्य जुटाए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि घटना के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और घायलों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

इस दौरान उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, तहसीलदार धीरेन्द्र कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

# किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू की बैठक, संगठन विस्तार पर दिया जोर

**संभल (सब का सपना):-** भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ की ओर से रविवार को ग्राम महोरा लखूपुरा में जनजागरण अभियान के तहत बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व जिला प्रभारी सुभाष चाहल ने किया। अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने की, जबकि संचालन युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार ने किया। जिला अध्यक्ष सम्भल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसान खेती से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ अनेक प्रशासनिक और जनहित की परेशानियों से जूझ रहे हैं। किसानों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनका समाधान कराना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव संगठन मजबूत होने से किसानों की सामूहिक आवाज को मजबूती मिलेगी। जरूरत पड़ने पर अधिकारियों से वार्ता के साथ आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जाएगा। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि संगठन की ओर से गांवों में लगातार जनसंपर्क कर किसानों को उनके अधिकारों और समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। बैठक में गन्ना भुगतान, बिजली व्यवस्था, स्मार्ट मीटर, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, खाद-बीज की उपलब्धता, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र तथा वारिसान दर्ज कराने जैसी समस्याओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा गांव में रहस्यमयी बुखार की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव कराने, गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर गांवों के नाम के बोर्ड लगवाने तथा संभल रेल विस्तार कार्य से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई। पदाधिकारियों ने कहा कि इन मुद्दों को संबंधित विभागों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा। बैठक के दौरान संगठन विस्तार करते हुए गौरव यादव को तहसील महासचिव सम्भल, संतोष यादव को ग्राम महासचिव, हिरदेश यादव को ग्राम प्रभारी तथा चंद्रकेश यादव को ग्राम सचिव नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह, जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील संगठन मंत्री श्रीपाल यादव, ब्लॉक महामंत्री मनीराम गुर्जर, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष मो. हसन, नरेन्द्र चौधरी, सतवीर सिंह, बिजेन्द्र सिंह, मो. दाऊद, कमल यादव, श्रीराम शर्मा, बिजेन्द्र यादव, दिवाकर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गजरौला क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हुए विवाद में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की कोतवाली गजरौला क्षेत्र के अन्तर्गत एक दिन पहले हुये विवाद में एक घायल दलित व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 5 लोग के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। और मामले की जांच कर रही है। वहीं युवक की मौत के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के गांव पखरोला में संजय सिंह का परिवार रहता है। संजय के परिवार में पत्नि सुमन देवी व एक बेटी तथा दो बेटे हैं। सुमन का कहना है कि हमारे ही गांव का रहने वाले जब्बार का दामाद इमरान एक साल पहले मेरी बेटी अंजली को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। कुछ दिन बाद हिंदु संगठन के लोगों ने मेरी बेटी को परिवार के पास वापिस करा दिया था।घटना के बाद परिवार वालों ने किसी अन्य जगह बिरादरी का लड़का देखकर उसकी शादी करा दी थी। जिसके बाद से ही इमरान का परिवार हमारे परिवार से रंजिश रखने लगा।सुमन का आरोप है कि बीती 15 अगस्त को दोपहर के समय करीब एक बजे उसका पति संजय कुमार घर पर मौजूद था। इसी दौरान जब्बार का दामाद इमरान वहां पहुंचा और घर में खड़ी प्लेटिना बाइक को चोरी करने का प्रयास कर रहा था। जब संजय ने इस बात का विरोध किया तो इमरान ने संजय के साथ गाली ग्लौच करनी शुरू कर दी। इमरान ने धमकी देते हुये कहा कि तू बहुत बड़ा दादा बनता है आज तेरा इलाज करना है। और वह ये शब्द बोलते हुये वहां से चला गया। घटना के बाद सुमन अपने पति संजय व भतीजे सुनील कुमार के साथ जब्बार के यहां पहुंची तो वहां पहले से ही मुख्तार, जुल्फकार, इफ्तेखार पुत्र जब्बार अली व उसका दामाद इमरान मौजुद थे। सुमन के कहना है कि उपरोक्त सभी आरोपियों के हाथों में लाठी डंडे व सरिये थे। उक्त आरोपियों ने संजय के परिवार को देखते ही गाली ग्लौच देनी शुरू कर दी। जब संजय ने इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने संजय के ऊपर सरियो से तबाड़तोड़ प्रहार कर दिये। जिसके बाद संजय गंभीर रुप से खून से लहुलुहान हो गया। जब संजय की पत्नी सुमन ने अपने बचाव के लिये शोर मचाया तो ग्रामीणों को आता देख उपरोक्त नामित आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से फरार हो गये। मारपीट में संजय के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आयीं।आनन-फानन में सुमन व उसके भतीजे सुनील ने घायल संजय को गांव के एक डॉक्टर के यहां भर्ती कराया। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। आरोप है कि मारपीट में सिर पर आयीं गंभीर चोटों के कारण मेरे पति ने 16 अगस्त को समय करीब 4 बजे दम तोड़ दिया। और उनकी मौत हो गयी। पीड़िता ने तत्काल गजरौला कोतवाली पहुंचकर पुलिस को शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।वहीं एडीशनल एसपी अखिलेश भदौरिया ने बताया जानकारी देते हुये बताया कि बीती 15 अगस्त को किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। विवाद में संजय के साथ मारपीट की गयी थी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को मामले से अवगत नहीं कराया था। और गांव में ही स्थानीय डांक्टर के पास संजय के इलाज चल रहा था। जिसके बाद 16 अगस्त को संजय की तबीयत बिगड़ी गयी और उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुये 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

# आरोग्य मेले में हजारों मरीजों की जांच, डेंगू-मलेरिया के सभी सैंपल निगेटिव

**संभल (सब का सपना):-** जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं नौ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 266वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 37 चिकित्सकों एवं 134 पैरामेडिकल स्टाफ ने सेवाएं देते हुए कुल 2812 मरीजों का निःशुल्क उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया। इनमें 1209 पुरुष, 1075 महिलाएं तथा 528 बच्चे शामिल रहे। आरोग्य मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत 106 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। मेले में बुखार के 253, चर्म रोग के 562, दमा के 424, मधुमेह के 115, नेत्र रोग के 25 तथा उच्च रक्तचाप के 197 मरीजों का उपचार किया गया। बुखार से पीड़ित मरीजों में 32 की मलेरिया और 12 की डेंगू जांच कराई गई, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव रही। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर बनाए गए। वहीं आशाओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। ह्यएक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 130 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया।

आरोग्य मेले में आने वाले 48 मरीजों को टेली-मानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने बनियाखेड़ा ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर बेरनी, कुढ़फतेहगढ़ एवं गुमथल में आयोजित आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया।

# स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को किया सल्यूट

### *"हर घर तिरंगा, हर हाथ तिरंगा" के संकल्प के साथ मनाया पर्व*

**गजरौला (सब का सपना):-** स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आज 15 अगस्त 2026 को जनप्रिय सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर जी के फार्म हाउस, भारतीय स्टेट बैंक, एस.पी मेडिकल स्टोर, कॉमन फैसेलिटी सेंटर (मिट्टी उद्योग) एवं उत्तम मेडिकल स्टोर, अल्लीपुर भूड़, हसनपुर रोड, गजरौला में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रमों में उपस्थित होकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को नमन किया गया।
इस अवसर पर देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। साथ ही राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में "हर घर तिरंगा, हर हाथ तिरंगा" के संकल्प के साथ राष्ट्रप्रेम, सामाजिक एकता और देशहित की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष रामरतन सिंह जाटव, डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति - पूर्व मंडल अध्यक्ष गजरौला एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रजापति एकता सभा, स्टेट बैंक मैनेजर उपदेश गंगवार, असिस्टेंट मैनेजर योगेश कुमार, पूर्व जिला महामंत्री प्रदीप सैनी, रवि सैनी, सचिन सैनी, गोपाल कृष्ण, अभिषेक कुमार, डॉ. खजान सिंह, अधिवक्ता मनमोहन सिंह सैन, डॉ. सचिन यादव, चंद्रपाल सिंह प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

# पत्रकारों ने भी कार्यालय पर फहराया तिरंगा

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन पंजीकृत पदाधिकारी में सदस्य अंबेडकर रोड निकट नगर पालिका पणजी कार्यालय पर एकत्र हुए और परंपरा अनुसार संगठन के अध्यक्ष दो रतेंद्र बिश्नोई महामंत्री धर्मेंद्र चौधरी संरक्षक मुकेश त्यागी और संस्थापक मनोज वाल्मीकि ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान किया। इस मौके पर मनोज टंडन, अफसार सिद्दीकी, राशिद उस्मानी, विकास अग्रवाल अक्षय चौहान, यासीन शमसी, राकेश उर्फ राके, शमशाद रशीद, नंदकिशोर, डॉ संदीप शर्मा, वे डॉ राजकुमार आर्यन, डॉक्टर शैलेंद्र कुमार, लवल चौहान, बलराज सिंह सैनी, परवेज सैनी, कुलदीप सैनी कपिल कुमार, सुधीर अग्रवाल, महबूब सलमानी, इकराम अहमद भागवत सैनी, रामपाल सिंह, समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

# नाबालिग समेत दो युवतियां लापता, दो युवकों पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के थाना नगीना क्षेत्र से नाबालिग समेत दो युवतियों के लापता होने के मामले में परिजनों ने दो अलग-अलग युवकों पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों मामलों में नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर युवतियों की तलाश शुरू कर दी है। नाबालिग के मामले में समर पुत्र सरताज पर आरोप लगा है कि 11 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे वह नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने आरोपी समर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस को दी तहरीर में बताया गया है कि कि उसकी 22 वर्षीय बहन सात अगस्त की सुबह करीब 10 बजे गांव के अड्डे पर डॉक्टर से दवाई लेने गई थी। दोपहर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन फोन बंद मिला। संभावित स्थानों पर तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चल सका।
इसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। बाद में पता चला कि मोनू पुत्र मुकेश उसकी बहन को बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने मोनू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

# नंदपुर में बीज की दुकान के बाहर से बाइक चोरी

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** थानाक्षेत के नंदपुर में बीज की दुकान पर बीज खरीदने गए एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। काफी तलाश के बाद भी बाइक का पता नहीं चलने पर पीड़ित ने थाना नगीना में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कर बाइक बरामद करने की गुहार लगाई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आशियाना कॉलोनी, पहाड़ी दरवाजा निवासी मौ. ऊमर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 12 अगस्त की सुबह करीब 10:45 बजे वह अपने दामाद जिशान पुत्र मौ. यूनुस निवासी ग्राम त्रिलोकवाला, थाना नगीना देहात की सुपर स्प्लेंडर बाइक लेकर नंदपुर स्थित बीज की दुकान पर गया था। उसने बाइक दुकान के बाहर खड़ी की और बीज लेने के लिए अंदर चला गया। कुछ देर बाद वापस लौटने पर बाइक वहां से गायब मिली। आसपास काफी तलाश करने के साथ ही लोगों से भी जानकारी की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद मौ. ऊमर ने थाना नगीना पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और बाइक की तलाश कर बरामद करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू कर दी है।

# गोकशी की सूचना पर पहुंची पुलिस, मुठभेड़ में आरोपी घायल, दो महिलाएं भी गिरफ्तार

**बिजनौर (सब का सपना):-** थाना कोतवाली देहात पुलिस ने गोकशी की सूचना पर ग्राम अकबराबाद के जंगल स्थित कब्रिस्तान में कार्रवाई करते हुए एक घायल आरोपी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, अकबराबाद के जंगल स्थित कब्रिस्तान में गोकशी किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। इसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं घटनास्थल के पास से पुलिस ने दो महिलाओं को करीब पांच-पांच किलोग्राम गोवंशीय मांस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से करीब दो कुंतल गोवंशीय मांस, पशु अवशेष, पशु काटने के उपकरण, 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने बरामद गोवंशीय मांस और पशु अवशेषों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, मौके से फरार हुए अन्य आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है।

# प्रेस क्लब स्योहारा कार्यालय पर धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

**बिजनौर (सब का सपना):-** शनिवार को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर थाना चौराहा स्थित प्रेस क्लब स्योहारा कार्यालय पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों, संरक्षकों एवं सदस्यों ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना स्योहारा प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार तोमर रहे। प्रेस क्लब के तीनों संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. वीरेंद्र कुमार पुष्पक एवं कांता प्रसाद पुष्पक तथा प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सलामी दी। प्रेस क्लब संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आजादी केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं है, बल्कि देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाने का संकल्प भी है। पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और पत्रकारों का दायित्व है कि वे निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर समाज की समस्याओं को सामने लाएं तथा जनहित की आवाज को मजबूती से उठाएं। प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। पत्रकारों को लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभानी चाहिए। इस अवसर पर प्रेस क्लब महामंत्री नजम सिद्दीकी, मोहम्मद आलम, नसीम अहमद, मोहम्मद फैजान, प्रशांत रस्तोगी, मुकेश रस्तोगी, सर्वेंद्र रस्तोगी, सरफराज अहमद, फहीम अहमद, नेपाल सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

# समरसता बंधन कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, संत रविदास की 650वीं जयंती पर दिखी सामाजिक एकता

**स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):-** संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसपुर मंडल के ग्राम सदाफल, गोविंदपुर, खाईखेड़ा, लंबाखेड़ा एवं कासिमाबाद में समरसता बंधन कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा में करीब 500 से 600 महिला-पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के जन्मस्थल गोवर्धनपुर, वाराणसी से पवित्र मिट्टी कलश में लेकर देशभर में भ्रमण करते हुए सहसपुर मंडल के उपरोक्त गांवों में पहुंची। गांवों में यात्रा का श्रद्धालुओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। महिलाओं एवं पुरुषों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ यात्रा में सहभागिता की।यात्रा का आयोजन भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. खजान सिंह पाल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सीपी सिंह, डॉ. विनीत देवरा, देशबंधु, चंचल शर्मा, राजकुमार गौतम, नीरज सिंह, शुभम राजपूत, शुभम चौहान, यश चौहान, वरुण एवं दिनेश सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम में पूर्व सांसद शीशराम रवि एवं सुरेश चंद समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने संत रविदास जी के संदेशों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता और भाईचारे का संकल्प लिया। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र धार्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण से सराबोर नजर आया।

# डॉ. शाश्वत वर्मा का प्रेस क्लब स्योहारा के संरक्षक चुने जाने पर किए गए सम्मानित

**स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):-** प्रेस क्लब स्योहारा द्वारा स्टेशन रोड स्थित डॉ. शाश्वत वर्मा के अस्पताल पर सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें प्रेस क्लब का संरक्षक चुने जाने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने उनका शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. वीरेंद्र पुष्पक एवं डॉ. मनोज कुमार वर्मा द्वारा डॉ. शाश्वत वर्मा को शाल ओढ़ाकर सम्मानित करने से हुआ। इसके बाद प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम, महामंत्री नजम सिद्दीकी एवं पदाधिकारियों द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. शाश्वत वर्मा ने कहा कि प्रेस क्लब द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, वह उनके लिए सम्मान की बात है। वह पत्रकारों के हितों और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में क्लब को हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन देने का प्रयास करेंगे। प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम ने कहा कि डॉ. शाश्वत वर्मा का संरक्षक के रूप में जुड़ना क्लब के लिए गौरव की बात है। उनके अनुभव और सहयोग से क्लब को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. वीरेंद्र पुष्पक, शारिक शमीम, नजम सिद्दीकी, नसीम अहमद, मोहम्मद फैजान, प्रशांत रस्तोगी, सर्वेंद्र रस्तोगी, रोहित रस्तोगी, फहीम अहमद,ओमपाल सिंह प्रजापति आदि मौजूद रहे।

# राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा कैम्प कार्यालय पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

### *स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम किए गए प्रस्तुत*

**बुढ़नपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा शनिवार को अपने ही कैंप कार्यालय बुढ़नपुर बिजनौर उत्तर प्रदेश पर 80 वे स्वतंत्रता दिवस का उत्सव बड़े ही धूमधाम से बनाया गया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा के नेतृत्व में कार्यकर्ता व पदाधिकारी द्वारा 80 वे स्वतंत्रता दिवस झंडा फहराया गया। और पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। और तिरंगे को सलाम किया गया। तथा और दिव्यांगों के साथ- साथ गणमान्य लोगों व समाजसेवीयो ने भी हिस्सा लिया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के बाद रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तथा कार्यक्रम में अतिथि आए एसोसिएशन के पदाधिकारियों की कार्यक्रम को देख सराहना की। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर ने कहा कि सबसे पहले पूरे भारतवर्ष के राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देना चाहता हूं। और उन्होंने कहा कि पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी पदाधिकारी का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
अगर कोई उनका शोषण करता है बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर शहजाद मलिक,सरताज, मौ॰ शाहे आलम, मौ आजम अंसारी, मास्टर अफजाल, नसीम अहमद, इंतजाम ,सितारे आलम, मास्टर शहजाद गोविंदपुर वाले,नकूल, सुशील, मौलाना इनामुल हक, रोहित कुमार, इकराम ठेकेदार, बाबू,फईम, इमरान, मौ नूर आफताब डॉक्टर दिलशाद मोहम्मद अंजार कालूराम आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

# नगीना में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, तिरंगा रैलियों से गूंजा नगर

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** स्वतंत्रता दिवस नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, निजी प्रतिष्ठानों तथा मकानों पर ध्वजारोहण किया गया। विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। युवाओं ने प्रभात फेरियां और तिरंगा रैलियां निकालकर देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा नगर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसडीएम कार्यालय में एसडीएम प्रिंस कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय में सीओ राजेश सौलंकी, नगर पालिका कार्यालय में चेयरपर्सन ताहिरा बेगम एवं ईओ सतीश कुमार तथा थाना नगीना में सीओ राजेश सौलंकी व थाना प्रभारी विकास कुमार ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन कार्यालय में संगठन के अध्यक्ष डॉ. रतेंद्र विश्नोई ने ध्वजारोहण किया। एमएम इंटर कॉलेज में प्रबंधिका/चेयरपर्सन ताहिरा बेगम एवं प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर, गोयल पब्लिक स्कूल में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य हरगनपुर हरेंद्र कुमार एवं प्रधानाचार्य उपकार गोयल ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।
सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामलीला बाग में नगर प्रचारक नरेश कुमार, अध्यक्ष प्रदीप गर्ग, प्रबंधक संदीप शर्मा एवं प्रधानाचार्य महेश कुमार ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। सेंट मेरीज स्कूल में फादर प्रधानाचार्य एवं मुख्य अतिथि चेयरमैन संघ के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने ध्वजारोहण किया। महर्षि दयानंद विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल में आर्य समाज के प्रधान ओम प्रकाश तथा आशा देवी त्रिलोक चंद इंटर कॉलेज हरगनपुर में प्रधानाचार्य डॉ. बृजपाल सिंह ने ध्वजारोहण किया। नगर शिक्षा अधिकारी एवं एबीएसए इंद्रजीत सिंह ने पूरेनी कार्यालय पर ध्वजारोहण कर लोगों को जल पिलाया।
समर्पण सेवा संस्थान के नेतृत्व में गांधी मूर्ति पर 12वां सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता प्रमोद चौहान ने किया। 1857 के विद्रोह में 52 लोगों के साथ बलिदान देने वाले काजी कुदरत अली को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रपौत्र काजी अरशद मसूद को एसडीएम प्रिंस कुमार एवं राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग के सदस्य लवकुश कुमार ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।
समारोह में नगर के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट कॉलेजों में वर्ष 2026 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। इसके बाद अनुशासनबद्ध तरीके से राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल और सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम के समापन पर समर्पण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद चौहान, सचिव सचिन रुहेला तथा सदस्य धर्मेंद्र राठी, अरुण शर्मा एवं ओमपाल सैनी ने कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग के सदस्य लवकुश कुमार, पूर्व सांसद मुंशीराम पाल, हिंदू इंटर कॉलेज के प्रबंधक साहू कपिल अग्रवाल, गन्ना समिति अध्यक्ष अनिल, अजीत अग्रवाल, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सौरभ मित्तल, शिव शंकर सक्सेना, मंडल अध्यक्ष सुभाष शर्मा, भाजपा नेता कय्यूम राइन, मंडल उपाध्यक्ष लवी मित्तल, गर्वित चौधरी, अनुज वर्मा, मंडल मंत्री सरदार हरमीत सिंह, अतुल भारती, इंदु ठकुराल, सेवानिवृत्त अध्यापक अशोक अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, तिलक राज मुठरेजा, दिग्विजय सिंह, हरिराज सिंह, राजकुमार सेठी, प्रहलाद कुशवाहा, गौरव अग्रवाल ज्वेलर्स सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# शिव मंदिर में धूमधाम से मनाई गई हरियाली तीज, लक्ष्मी वार्ष्णेय बनीं तीज क्वीन

**हयातनगर/संभल(सब का सपना):-** विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति के तत्वावधान में हयातनगर स्थित शिव मंदिर में हरियाली तीज का पर्व धूमधाम, हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस अवसर पर मातृशक्ति की जिला संयोजिका दीपा वार्ष्णेय ने कहा कि हरियाली तीज सनातन संस्कृति, उमंग और नारी शक्ति की एकजुटता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन महिलाओं को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। लकी ड्रॉ के माध्यम से लक्ष्मी वार्ष्णेय को तीज क्वीन चुना गया। तीज क्वीन चुने जाने पर उपस्थित महिलाओं ने उन्हें बधाई दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपा, पुष्पा, नीलिमा, रितिका, संतोष, कल्पना, सपना, लक्ष्मी, सीवी, कुसुमता, सारिका, माधवी, नीरू, उषा, भूमिका, सुनीता, वंदना, छाया सहित सभी बहनों का सहयोग रहा। पूरे मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय एवं आनंदमय बना रहा। अंत में सभी ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं।

# स्वतंत्रता दिवस पर जीवन रक्तदाता संस्था ने चलाया रक्तदान जागरूकता अभियान

**चंदौसी/संभल (सब का सपना):-** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर की सामाजिक संस्था जीवन रक्तदाता संस्था की ओर से विशेष रक्तदान जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्था के संस्थापक अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में आयोजित अभियान के दौरान जरूरतमंद मरीज के लिए रक्तदान भी कराया गया।
कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान संस्था के संस्थापक अनुज वार्ष्णेय ह्यअन्नूह्ल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी दिन है। उन्होंने युवाओं से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज को जीवनदान देने का माध्यम है। अभियान के दौरान संस्था के कार्यकर्ताओं ने चंदौसी के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया और रक्तदान को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया। लोगों को बताया गया कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा चिकित्सकीय मानकों के अनुसार रक्तदान करना सुरक्षित है और जरूरतमंद मरीजों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में युवा संस्था के माध्यम से समय-समय पर रक्तदान कर चुके हैं। अभियान के समापन पर अनुज वार्ष्णेय ने सभी सहयोगियों,

## क्रॉस-कंट्री रेस में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विजेताओं को किया सम्मानित

**चंदौसी/संभल (सब का सपना):-** स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान के अवसर पर शनिवार सुबह एस.एम. कॉलेज, चंदौसी में बालक एवं बालिका वर्ग की ओपन क्रॉस-कंट्री रेस का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ उपक्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती एवं जिला ओलंपिक संघ के सचिव आशु शर्मा ने किया। प्रतियोगिता में दोनों वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में हेमंत, हिमांशु, विशेष, जितेंद्र, राहुल, निर्दोष, मनीष एवं विदिश ने क्रमशः स्थान प्राप्त किए। वहीं बालिका वर्ग में यशिका, अदिति, प्रतिज्ञा, शारदा, अन्नू एवं सोनम ने स्थान हासिल किया। विजेता खिलाड़ियों को उपक्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती एवं जिला ओलंपिक संघ के सचिव आशु शर्मा ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर फुटबॉल कोच नादिर रजा, शूटिंग कोच मयंक कुमार, क्रिकेट कोच यश शुक्ला, एथलेटिक्स कोच नकुल तोमर एवं खो-खो कोच विक्की गुप्ता मौजूद रहे। कोचों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेलों में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं एवं खिलाड़ियों में खेल भावना के साथ-साथ राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ावा देना है। आयोजन में खिलाड़ियों ने उत्साह और जोश के साथ प्रतिभाग किया।

## बरनवाल महिला शक्ति सेवा समिति ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

**चंदौसी/संभल (सब का सपना):-** बरनवाल महिला शक्ति सेवा समिति की ओर से तीज महोत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए एक मिनट गेम, मेहंदी प्रतियोगिता सहित विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजकर तीज के रंग में नजर आईं। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जबकि एक मिनट गेम और अन्य गतिविधियों ने कार्यक्रम में खूब मनोरंजन किया। गीत-संगीत के बीच महिलाओं ने उत्सव का जमकर आनंद लिया। समिति की अध्यक्ष डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि तीज केवल त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और नारी शक्ति का उत्सव है। यह पर्व महिलाओं के जीवन में उमंग, सौंदर्य और आपसी प्रेम का संदेश लेकर आता है। ऐसे आयोजन संस्कृति को जीवंत रखने के साथ महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में उत्साह और आपसी सौहार्द का माहौल रहा। इस अवसर पर सुमन गुप्ता, डॉ. दुर्गा टंडन, आयुषी गुप्ता, वैशाली गुप्ता, स्वाति गुप्ता, वर्षा गुप्ता, उपासना गुप्ता, निधि गुप्ता, रश्मि गुप्ता, शालिनी गोयल, कुसुम गोयल, नीरज बरनवाल, सुधा गोयल सहित बरनवाल समाज की महिलाएं मौजूद रहीं।

## पानी के बिल पर 100% छूट! दिल्ली सरकार ने लाखों लोगों को दी गुड न्यूज, योजना कब तक लागू"

**नई दिल्ली।** दिल्लीवासियों को रेखा सरकार ने एक बार फिर से बड़ी राहत दी है। दिल्ली जल बोर्ड ने 100 प्रतिशत लेट पेमेंट सरचार्ज छूट योजना को 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दिया है। लाखों लोगों को मिलेगी राहत दरअसल, राजधानी दिल्ली में ऐसे लाखों लोग हैं, जिन्होंने अपना पानी का बिल जमा नहीं किया है। समय पर पानी का बिल नहीं जमा करने की वजह से उन पर सरचार्ज और जुर्माना लगाया जा रहा है। सरकार ने लाखों लोगों के इसी बोझ को कम करने के लिए योजना को 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दिया है। सरकार ने दिया शानदार मौका बता दें कि दिल्ली में यह योजना पहले भी लागू की गई थी लेकिन, लाखों लोगों ने इस योजना का लाभ नहीं उठाया। सरकार चाहती है कि जिन लोगों ने पहले इस योजना का फायदा नहीं उठाया, अब वे योजना का लाभ उठाकर अतिरिक्त चार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट पा सकते हैं। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दी जानकारी बता दें कि दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने यह जानकारी सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से दी है। अब उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठाकर अपना बिल जमा करा सकते हैं। सरकार की ओर से कहा गया कि अगर आपका पानी बिल का बकाया है, तो उसे बढ़ने न दें। इस मौके का फायदा उठाकर अपना बकाया बिल चुकाएं।

# 1.8 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, 23 देशों के 347 विदेशी प्रतिनिधियों की भागीदारी, 5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के व्यापारिक अवसर

*-भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 ने रचा इतिहास*

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारत मंडपम में आयोजित चार दिवसीय भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी कैट और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन यानी आईटीपीओ के संयुक्त आयोजन में देश-विदेश के व्यापारियों, निमार्ताओं, निर्यातकों, निवेशकों और उद्यमियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। महोत्सव में 1.8 लाख से अधिक लोग पहुंचे, जबकि 23 देशों के 347 विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय कारोबारियों के साथ व्यापारिक संभावनाओं पर चर्चा की। आयोजकों के अनुसार, खरीदार-विक्रेता बैठकों, व्यापारिक संवाद और साझेदारी वाताओं के जरिए 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर पैदा हुए हैं। विदेशी प्रतिनिधियों ने दिखाई दिलचस्पी कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि महोत्सव में अफ्रीका, यूरोप, एशिया-प्रशांत, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका समेत विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय कंपनियों के साथ सामान की खरीद, रणनीतिक साझेदारी, संयुक्त उपक्रम, तकनीकी सहयोग और अनुबंध आधारित विनिर्माण जैसे विषयों पर बातचीत की। महोत्सव में 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ब्रांड प्रतिनिधियों और वैश्विक खरीद संस्थानों की भी भागीदारी रही। इनमें प्राइमरी ग्रुप, रिलायंस रिटेल, ट्राइबर्ग, इम्पल्स और न्यू टाइम्स ग्रुप प्रमुख रहे। इन संस्थाओं ने वस्त्र, फैशन, कृषि, जीवनशैली, हस्तशिल्प, दैनिक उपभोग की वस्तुओं और विनिर्माण क्षेत्र के कारोबारियों के साथ व्यापारिक बैठकें कीं। भारतीय उत्पादों की दुनिया तक पहुंच महोत्सव में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, दैनिक उपयोग की वस्तुएं, जैविक उत्पाद, वस्त्र एवं परिधान, हस्तशिल्प, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, स्वास्थ्य सेवाएं, औषधि, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, अक्षय ऊर्जा, निर्माण सामग्री, वाहन कल-पुर्जे, परिवहन, डिजिटल सेवाएं, खुदरा कारोबार, ऑनलाइन व्यापार, पर्यटन और आतिथ्य समेत कई क्षेत्रों की भारतीय क्षमता प्रदर्शित की गई। नवाचार और स्टार्टअप बने आकर्षण महोत्सव में कैट की नई पहल भारत नवाचार एवं स्टार्टअप विनिमय भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके तहत 150 से अधिक स्टार्टअप प्रस्तुति सत्र, 8 परिचचाएं और 35 विशेषज्ञों की भागीदारी हुई। वहीं 500 करोड़ रुपये तक की औसत निवेश क्षमता वाले 50 से अधिक निवेशकों ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा 18 ज्ञानवर्धक सत्र, 2 देश संवाद और 36 विचार-विमर्श सत्र आयोजित किए गए। इनमें व्यापार, तकनीक, नवाचार, निवेश, निर्यात और आर्थिक विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। 150 से अधिक प्रवासी भारतीयों की भागीदारी ने देश के व्यापार जगत और भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच संबंधों को और मजबूत किया। स्थानीय से वैश्विक की दिशा में बड़ा कदम प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव ने भारतीय उद्यमों की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को दुनिया के सामने रखा है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थानीय के लिए मुखर, स्थानीय से वैश्विक और आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। उन्होंने कहा कि महोत्सव के जरिए छोटे व्यापारियों, निमार्ताओं स्टार्टअप और सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ने का अवसर मिला है। इससे आने वाले समय में नए व्यापारिक समझौते और निवेश के रास्ते खुलने की उम्मीद है। भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 ने यह संदेश दिया कि भारत का व्यापार अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है

## 80वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबा देश, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया ध्वजारोहण

आज पूरा देश आजादी के जश्न में डूबा हुआ है। हर तरफ देशभक्ति के गीत और उत्साह नजर आ रहा है। 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज का दिन केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं है बल्कि असंख्य वीरों के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। इस पावन अवसर पर हम सभी स्वतंत्रता सेनानियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जिनके संघर्ष ने भारत के लोकतंत्र को दृढ़ आधार प्रदान किया है। ये लहराता हुआ तिरंगा हमारे लिए केवल गौरवशाली अतीत का प्रतीक नहीं है बल्कि हमारे उज्ज्वल भविष्य का संकल्प भी है। स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं है बल्कि राष्ट्र निर्माण का सतत दायित्व भी है।' दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, 'सभी को स्वाधीनता दिवस की बहुत-बहुत बधाई। आज दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता को संबोधित किया है और अभी तक दिल्ली सरकार की जो उपलब्धियां रही हैं, उन पर भी चर्चा की है। आगे का रोडमैप भी उन्होंने दिल्ली की जनता के सामने रखा है।' आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल के बयान पर उन्होंने कहा, 'मुझे लगता नहीं कि आज के दिन अरविंद केजरीवाल की प्रासंगिकता कितनी बची हुई है खासतौर पर दिल्ली में। दिल्ली की जो युवा पीढ़ी है, सभी ने बोरिया-बिस्तर लपेट कर अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से भगाया है, उन्हें वो याद रखना चाहिए।' दिल्ली पुलिस मुख्यालय में तिरंगा फहराया गया 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज पुलिस मुख्यालय दिल्ली में स्पेशल सीपी/पी एंड एफडी राजेश खुराना ने तिरंगा फहराया। पुलिस मुख्यालय के लॉन में एकत्र हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए खुराना ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी।

## पत्नी की हत्या के बाद फरार आरोपी पिस्टल-कारतूस के साथ गिरफ्तार, 2 महीने से पुलिस को दे रहा था चकमा

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** पत्नी की हत्या के बाद करीब दो महीने से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार रोहिणी जिला पुलिस की एसटीएफ ने दबोच लिया। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने जाल बिछाया और शरवर अली उर्फ राजू अली को के.एन. कटजू मार्ग थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ज्वाइंट सीपी विजय सिंह ने बताया कि डीसीपी रोहिणी शशांक जायसवाल के नेतृत्व और एडिशनल डीसीपी सतीश कुमार की निगरानी में एसीपी अमन विहार अजय वेदवाल और इंस्पेक्टर अमित दहिया के नेतृत्व में टिम ने पत्नी की हत्या के बाद फरार आरोपी को दबोच लिया है। करीब 40 वर्षीय शरवर अली, भलस्वा डेयरी झुग्गी का रहने वाला है और अपनी पत्नी उजमा की हत्या के मामले में वांछित था। पत्नी की हत्या 6 जून 2026 को हुई थी। इस संबंध में थाना भलस्वा डेयरी में एफआईआर नंबर 307/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था और उसे घोषित अपराधी (पीओ) घोषित कराने की कार्रवाई भी चल रही थी। गुप्त सूचना से बिछा जाल, एसटीएफ के शिकंजे में आरोपी एसटीएफ रोहिणी को आरोपी के बारे में पुख्ता सूचना मिली। इसके बाद टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ और सत्यापन में उसकी पहचान पत्नी की हत्या के मामले में वांछित आरोपी के रूप में हुई।आरोपी के कब्जे से बरामद अवैध हथियार के मामले में थाना के.एन. कटजू मार्ग में एफआईआर नंबर 288/26, दिनांक 14 अगस्त 2026 आर्म्स एक्ट की धारा 25/54/59 के तहत दर्ज की गई है। रोहिणी एसटीएफ की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया कि वारदात के बाद आरोपी चाहे जितना छिपे, पुलिस की निगाहों से लंबे समय तक बच पाना आसान नहीं है।

## सुल्तानपुरी में अवैध हथियार के साथ 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार, स्पेशल स्टाफ की टीम ने दबोचा, देसी पिस्टल बरामद

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** स्वतंत्रता दिवस की सुबह बाहरी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सुल्तानपुरी इलाके से एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल बरामद कर उसे जब्त कर लिया है। बाहरी जिला डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि स्पेशल स्टाफ की टीम इंस्पेक्टर रोहित के नेतृत्व में, एसीपी ऑपरेशंस वीरेंद्र दलाल की निगरानी में सुल्तानपुरी इलाके में गश्त कर रही थी। टीम में एसआई अंकित, एएसआई कृष्ण राठी, हेड कांस्टेबल रोहित, हेड कांस्टेबल मनजीत और हेड कांस्टेबल रवि शामिल थे। गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि पी-4 ब्लॉक, सुल्तानपुरी में एक युवक अवैध हथियार लेकर मौजूद है। सूचना पर टीम ने मौके पर छापा मारा। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसकी पहचान हर्ष उर्फ चिनू (19), निवासी सुल्तानपुरी के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर एक देशी पिस्टल बरामद हुई। इस संबंध में थाना सुल्तानपुरी में एफआईआर नंबर 466/2026, धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब हथियार के स्रोत और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

## लापरवाही से मौत के लिए सभ्य समाज में स्वीकार नहीं है खून के बदले पैसे, दिल्ली हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

**नई दिल्ली।** सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण कालिंदी कुंज बैराज पर काम करने वाले व्यक्ति की नदी में गिरकर डूबने से मौत के मामले में की गई प्राथमिक को रद करने से इन्कार करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि अदालत का मानना है कि इस याचिका को मंजूरी देना 'ब्लड मनी' (खून के बदले पैसे) को मान्यता देने जैसा होगा और कोई भी सभ्य समाज इसे स्वीकार नहीं करता। पीठ ने कहा कि याचिकाकताओं ठेकेदार की लापरवाही के कारण व्यक्ति को जान गंवानी पड़ी। जहां तक मरने वाले के परिवार को दिए गए पैसे की बात है, तो वह संबंधित श्रम कानून के तहत मुआवजा है और इसे अपराध के निपटारे के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि याचिकाकताओं द्वारा सुरक्षा के सभी उपकरण देने के दावे समेत अन्य तथ्य ट्रायल के दौरान ही जांचे जा सकते हैं। सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण कामगार यमुना में गिर गया याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता स्वास्तिक ट्रेडर्स, मालिक शिवेंद्र पाल सिंह व एक इंजीनियर पर आरोप है कि अप्रैल 2026 में कालिंदी कुंज बैराज पर काम करते समय, सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण कामगार यमुना में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। व्यक्ति के भाई की विस्तृत शिकायत पर कालिंदर कुंज थाने में प्राथमिकी हुई थी। मृतक के भाई ने शिकायत में आरोप लगाया था कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, ठेकेदार ने जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए और इसी वजह से उनके भाई यमुना नदी में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। प्राथमिकी में यह भी कहा गया कि शुरू में उनके भाई व उसके एक साथी ने बैराज पर कुछ काम किया था, लेकिन सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण काम रोक दिया था। आश्वासन देने के बावजूद भी कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं बाद में सुरक्षा किट उपलब्ध कराने के आश्वासन पर ही उनके भाई व उनके एक साथी ने दोबारा से काम शुरू किया, लेकिन मौजूदा याचिकाकताओं ने आश्वासन देने के बावजूद भी कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया। वहीं, याचिकाकर्ता ठेकेदार व इंजीनियर ने तर्क दिया कि उन्होंने मृतक के परिवार के सदस्यों के साथ विवाद सुलझा लिया है और उक्त तथ्यों को देखते हुए प्राथमिकी रद कर दी जाए, जबकि अतिरिक्त लोक अभियोजन व जांच अधिकारी नवीन ने याचिकाकताओं के तर्कों को ठुकराते हुए याचिका का पुरजोर विरोध किया। सभी के तर्कों को सुनने के बाद अदालत ने कहा कि यह एक स्थापित तथ्य है कि हाई कोर्ट अपनी अंतर्निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए मिनी ट्रायल नहीं कर सकता। प्रथम दृष्टया, जांच के दौरान इकट्ठा की गई सामग्री से पता चलता है कि अगर याचिकाकताओं ने जरूरी सुरक्षा उपाय किए होते तो मृतक की जान नहीं जाती।

# हेल्थ प्लस

## थैलेसीमिया का आयुर्वेदिक इलाज

**थैलेसीमिया** एक जानलेवा रोग है, जो बच्चों को अपना शिकार बनाता है। थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है- थैलेसीमिया माइनर और थैलेसीमिया मेजर।

थैलेसीमिया माइनर यह रोग मां-बाप में से किसी एक के द्वारा संतान में आता है। थैलेसीमिया माइनर से प्रभावित व्यक्ति तो इस रोग के संवाहक होते हैं। इसके कुछ रोगी ऐसे होते हैं, जो 25-30 वर्ष की उम्र तक तो सामान्य जीवन जीते हैं। मगर जब अचानक खून की कमी हो जाती है और खून की जांच करवाते हैं तब इसका पता चलता है।

थैलेसीमिया माइनर के रोगी का जिगर और तिल्ली बढ़ जाती है। थैलेसीमिया माइनर कभी भी थैलेसीमिया मेजर में परिवर्तित नहीं होता है। अनेक रोगी तो सामान्य रक्ताल्पता [एनीमीया] के उपचार से ही स्वस्थ महसूस करते हैं।

**थैलेसीमिया मेजर**

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में रोग के लक्षण 4 से 6 माह की उम्र में ही दिखाई देने लगते हैं। बच्चों की त्वचा एवं नाखुनों में पीलापन आने लगता है तथा बच्चे का विकास अवरूद्ध हो जाता है। इस रोग में अस्थिमज्जा में लाल रक्तकण [आरबीसी] बनने बंद हो जाते हैं या कम बनते हैं और यदि बनते भी हैं, तो वे अत्यंत ही विकृत तथा हीमोग्लोबीन रहित होते हैं।

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में जींस मां-बाप दोनों से ही आते हैं। यदि मां-बाप दोनों ही थैलेसीमिया माइनर से पीड़ित हैं, तो उनके बच्चे थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग में आरबीसी की दीवारें सख्त हो जाती हैं , इस कारण से रक्त संचरण के समय अथवा अस्थिमज्जा में रहते समय वे नष्ट होने लगती हैं। इससे ग्रस्त बच्चे जन्म के समय तो पूरी तरह स्वस्थ नजर आते हैं, लेकिन बाद में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

खून की कमी के कारण शरीर का पीला पड़ जाना, अन्य गंभीर रोगों का संक्रमण, चेहरा पीला और निस्तेज, सांस फूलना, पेट फूला-फूला, भूख नहीं लगना, खाने के प्रति अरूचि और खा लेने से उल्टियां हो जाना, निरंतर ज्वर रहना या शरीर का तापमान कम हो जाना, नाड़ी और ह्वदय की गति अधिक, सिर बड़ा और शरीर की आकृति छोटी, सिर के मध्य करोटीं में दबा हुआ [खड्डा] सा दिखाई देना, सिर की मोटी भौहों के बीच में नाक का भाग पिचका हुआ होना ये इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं।

**चिकित्सा**- आधुनिक चिकित्सा में रोगी का जीवन चलता रहे इसके लिए रोगी को प्रतिमाह या हर सप्ताह खून चढ़ाया जाता है। मगर यह काम कितना महंगा, मुश्किल एवं दर्द भरा है यह भुक्तभोगी ही जानते हैं। विकसित देशों में अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण [बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन] द्वारा इसका उपचार किया जाने लगा है, लेकिन यह भी अत्यंत महंगा है।

**समय**-समय पर हीमोग्लोबीन की मात्रा की जांच करवानी पड़ती है अथवा कुछ ऐसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं जिनसे पता चलता है कि अब खून की मात्रा कम हो गई है। बड़े-बड़े शहरों में तो थैलेसीमिया रोगियों की सहायतार्थ सोसायटियां बनी हुई हैं जो थैलेसीमिया रोग के शिकार बच्चों के लिए खून की व्यवस्था करती है।

खून चढ़ाने का उपाय एक तरफ तो लाभप्रद है, किंतु तकलीफों से भरा भी है। रोगी के परिवार को अत्यंत महंगे उपचार का भार उठाना पड़ता है। बार-बार खून चढ़ाने की प्रक्रिया रोगी के जीवित रहने तक चलती रहती है। बार-बार खून चढ़वाने के कारण शरीर के प्रमुख अंगों- लीवर, प्लीहा, ह्वदय इत्यादि में आवश्यकता से ज्यादा लौह तत्त्व एकत्रित हो जाते हैं। प्लीहा लाल रक्त कणों के अवखंडन का स्थान है और थैलेसीमिया में लाल रक्त कण ही जल्दी-जल्दी अवखंडित होते हैं, अत: ये कोशिकाएं अत्यधिक संख्या में प्लीहा के साइनोसाइड्स में एकत्र होती रहती है, जिससे प्लीहा का आकार बढ़ जाता है। अत्यधिक मात्रा में एकत्र हुआ लौह तत्त्व ह्वदय में विषमता पैदा करता है, जिससे ह्वदय काम करना बंद कर देता है। आवश्यकता से अधिक लौह तत्त्वों को शरीर से बाहर निकालने के लिए प्रतिदिन इंजेक्शन लगाना आवश्यक है किंतु फिर भी रोगी को बचाना संभव नहीं है।

आयुर्वेद में थैलेसीमिया रोग की फायदेमंद चिकित्सा है। चिकित्सा में यकृत, प्लीहा की चिकित्सा लंबे समय तक की जाती है। गंभीर रक्ताल्पता, रक्तपित्त, यकृद्दाल्युदर, प्लीहोदर तथा रक्त का अतिमात्रा में शरीर से बाहर प्रवृत्ति आदि की मिली जुली चिकित्सा भी लंबे समय तक की जाए, तो इस रोग में लाभ होने की पूरी आशा की जा सकती है।

थैलेसीमिया रोग से पीड़ित रोगी की यदि आधुनिक एलोपैथी चिकित्सा के साथ ही अनुभवी चिकित्सक की देखरेख में आयुर्वेद चिकित्सा की जाए और रोग निर्मूल होने तक परहेज किया जाए तो थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोग से असमय मरने से रोगी को बचाया जा सकता है।

## दृष्टि कमजोर तो नहीं हो रही

**हाल** ही में अपनी आंखों की पूरी जांच कराने पर भी आपको साफ नहीं दिखाई दे रहा या फोकस करने में परेशानी हो रही है तो यह आंखों के रोग ग्लॉकोमा का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आई प्रेशर धीरे-धीरे बढने लगता है और इससे ऑप्टिक नर्व डैमेज होने लगती है। यदि लगातार अनदेखा किया जाए तो पांच साल में यह इतना नुकसान पहुंचा देता है कि स्थिति गंभीर हो जाती है। यदि आपको ऐसा कुछ भी अंदेशा हो रहा हो तो अपने नेत्र विशेषज्ञ से नियमित जांच कराएं। समय रहते मर्ज का पता लगने पर दवाओं से इस पर काबू पाया जा सकता है। आंखों के स्वास्थ्य के लिए विटमिन ए पर्याप्त मात्रा में लें। तेज व चमकीली रोशनी में सीधे न देखें। टीवी सेट से कम से कम 3 मीटर की दूरी रखें। कंप्यूटर पर काम करने के लिए एंटी ग्लेयर चश्मा पहनें। ठंडे पानी से आंखें धोएं। बाल शैंपू करने से पहले भौंहों और पलकों पर कोल्ड क्रीम लगाएं जिससे साबुन भीतर न जाए। एक्सरसाइज करें।

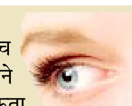

## गर्भवती महिलाएं और कैल्शियम

**गर्भवती** महिलाओं को रोजाना कम से कम एक ग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है और यह न मिले तो उनकी हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती है। गर्भवती महिला के होने वाले बच्चे की हड्डियां और दांत बनने के लिए कैल्शियम की बहुत जरूरत होती है और यह जरूरत बच्चा अपनी मां से पूरी करता है। कैल्शियम की कमी से होने वाले बच्चे का शरीरिक व मानसिक विकास कम हो जाता है और बच्चा मंदबुद्धि पैदा हो सकता है। अगर किन्हीं कारणों से खानपान के जरिए कैल्शियम की पूर्ति नहीं हो पा रही हो तो डॉक्टर की सलाह से दिन में तीन बार 500 मिग्रा। कैल्शियम की गोलियां ली जा सकती हैं। इस तरह शरीर में कैल्शियम आसानी से जज्ब हो जाता है।

## किशमिश दांतों की रक्षक

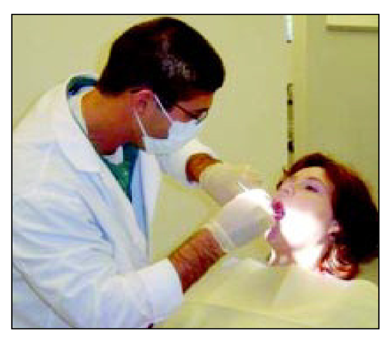

**खाने** की जो भी चीज दांतों में चिपकती है आम तौर पर उसे दांतों का दुश्मन समझा जाता है। लेकिन यही चिपकने वाली किशमिश दांतों पर चिपक कर बैक्टीरिया को दांतों से दूर रखने में सहायक होती है यह आम आदमी नहीं जानता। यह शोध शिकागो कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री द्वारा किया गया। शक्कर जैसी मीठी व चिपचिपी होने पर भी किशमिश में फाइटोकेमिकल्स का भंडार है। वैज्ञानिकों ने किशमिश में 5 ऐसे फाइटोकेमिकल्स पाए, जो मुंह के स्वास्थ्य सुधार के लिए लाभकारी थे। वास्तव में फाइटोकेमिकल्स पौधों में मौजूद ऐसे नैचरल एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं जो दांतों और मसूडों की सडन से बचाने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि वास्तव में मीठा खाने से दांत खराब नहीं होते, बल्कि उसमें मिलाई गई शक्कर दांतों के लिए नुकसानदायक होती है।

## स्वास्थ्यरक्षक मीठा नीम

**मीठे** नीम की पत्तियां खुशबूदार होती हैं। इनको कढ़ी, चटनी इत्यादि में डालने से इन आहार-द्रव्यों में भीनी-भीनी महक आने लगती है। दक्षिण भारत में भोजन में सुवास के लिए करी पत्ता बेहद लोकप्रिय है। बहुत से क्षेत्रों में इसे मीठा नीम भी कहते हैं।

**पोषक तत्व**

प्रोटीन 6.1 प्रतिशत, वसा 1 प्रतिशत, कार्बोहाइडेट 16 प्रतिशत, रेशे 6.4 प्रतिशत, खनिज तत्त्व 4.2 प्रतिशत, कैल्शियम 810 मिलीग्राम, लौह 600 मिलीग्राम, फॉसफोरस 3.1 मिलीग्राम, कैरोटीन 126000 अंतरराष्ट्रीय यूनिट, निकोटिनिक एसिड 2.3 मिलीग्राम, विटामिन सी 4 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम।

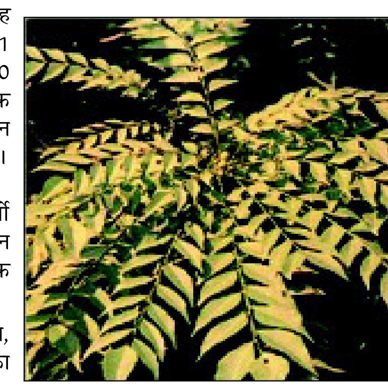

**औषधीय गुण**

- नियमित रूप से खाद्य पदार्थो के साथ करी पत्ते का सेवन करते रहने से यह श्रेष्ठ टॉनिक का कार्य करता है।
- यह ठंडा, स्वाद में चरपरा, फीका तथा पचने में हलका होता है।
- यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो रही जलन को शांत कर देता है।
- पेट के कीड़ों से मुक्ति दिलाता है।
- सूजन को दूर करता है।
- विविध प्रकार के रक्त संबंधी विकारों जैसे शरीर में फोड़े-फुंसियां होना, नकसीर, मुंह में छाले होना, चेहरे पर झांइयां होना, शरीर पर तिल अधिक पैदा होना, दाद होना, सफेद दाग अर्थात् ल्यूकोडर्मा, खारिश-खुजली, त्वचा पर लाल-लाल चकत्ते पैदा होना इत्यादि रोगों के उपचार में भी यह लाभप्रद औषधि है।
- विविध प्रकार के विष प्रकोप में भी यह लाभप्रद औषधि है।

**कुछ खास प्रयोग**

कष्टार्तव अर्थात् कठिनाई और दर्द के साथ मासिक धर्म का होना करी पत्ते का नियमित रूप में सेवन करने से इस शिकायत से आश्चर्यजनक ढंग से मुक्ति मिल जाती है।

**सेवन विधि**

इसके लिए करी पत्तों को सुखाकर इनका बारीक चूर्ण तैयार कर लें। यह चूर्ण एक चाय चम्मच भर मात्रा में हलके गरम पानी के साथ सेवन करें। सवेरे और शाम दिन में दो बार यह प्रयोग सेवनीय है। कढ़ी, दाल, पुलाव इत्यादि आहार द्रव्यों के साथ करी पत्ते का नियमित सेवन बेहद फायदेमंद है।

पेचिश होने पर इससे पीड़ित व्यक्ति को रक्त और कफ मिले हुए तेज दस्त आने लगते हैं। ताजा, कोमल, हरे करी पत्ते चबाकर खाना बहुत ही लाभप्रद है।

अपच अर्थात इंडाइजेशन मूंग की दाल में करी पत्ते का तड़का लगाकर सेवन करें। इससे अपान वायु खारिज होगी। भूख खुलकर लगेगी। भोजन शीघ्र पचेगा।

कीट दंश मधुमक्खी, ततैया इत्यादि विषाक्त जीवों द्वारा काट लेने पर करी पत्तों को पीसकर दंश स्थान पर लेप कर दें। तत्काल आराम मिलेगा।

वमन उल्टी की शिकायत होने पर दस-बीस करी पत्तों को दो सौ मिलीलीटर पानी में उबालें। आधा पानी शेष रहने पर इसे छान लें। इस पानी को दो-दो चम्मच की मात्रा में प्रति पंद्रह मिनट बाद पिएं। लाभ होने तक यह प्रयोग करें। बहुत ही लाभप्रद प्रयोग है।

किडनी पेन अर्थात वृक्क शूल मीठे नीम की जड़ का ताजा रस दस मिलीलीटर की मात्रा में पीने से आराम मिलता है।

## भोजन के पोषक तत्वों को बचाएं

**बेशक** आप अत्यन्त स्वादिष्ट भोजन बनाती होंगी जिन्हें परिजन चटखारे लेकर खाते भी होंगे, लेकिन क्या वह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ उतना पोषक भी है? कहीं अनजाने में ही आप उसके पोषक तत्वों को नष्ट तो नहीं कर रहीं? भोजन को तैयार होने तक कुछ निश्चित प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी स्तर पर उसके पोषक तत्व नष्ट न हों। इसके लिए आपको निम्नांकित बातें ध्यान में रखनी होगी।

- आटा थोड़ा मोटा पिसवाएं।
- आटे को चोकोर सहित काम में लें।
- चावल बनाने हेतु उतना ही पानी लें, जितना उसे पकने के लिए जरूरी हो।
- जिन मोटे अनाजों को पानी में भिगोकर रखा जाता है, उन्हें उसी पानी में पकाएं।
- सब्जियाँ पकाने में उतना ही पानी लें, जितना आवश्यक हो।
- सब्जियों को काटने या छीलने के पूर्व धोएं, बाद में नहीं।
- सब्जियों के गट्टे बड़े रखें, छोटे नहीं।
- सब्जियों के पतले छिलके उतारें, मोटे नहीं।
- सब्जियाँ कम चौड़े बर्तन में ढककर पकाएं।
- सब्जियों को सदैव धीमी आँच पर पकाएं।
- बेहतर होगा दाल, सब्जी, प्रेशर कुकर में पकाएं।
- सब्जियाँ बार-बार गर्म न करें।
- सब्जियाँ पकाने में मीठा सोडा आदि न डालें।
- गाजर, मूली, टमाटर, खीरा, पत्तागोभी आदि को सलाद के रूप में इस्तेमाल करें।
- गाजर का ऊपरी भाग, प्याज का पीला भाग, बंदगोभी के बाहरी पत्ते, मूली के पत्ते आदि को फेंके नहीं।
- मूंग, मोठ, मटर, चने आदि को अंकुरित कर इस्तेमाल करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

## काकुरो पहेली - 3980

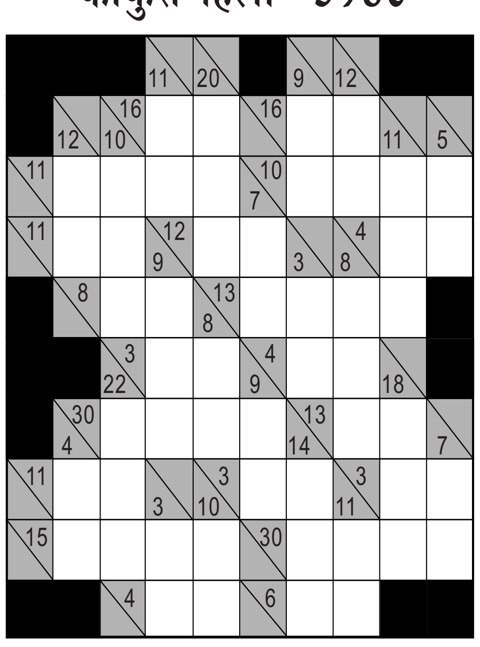

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3979 का हल

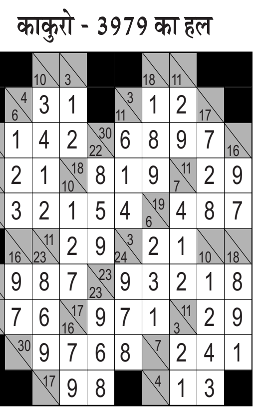

## लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

## फिल्म वर्ग पहेली- 3980

**बायें से दायें:-**

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3979

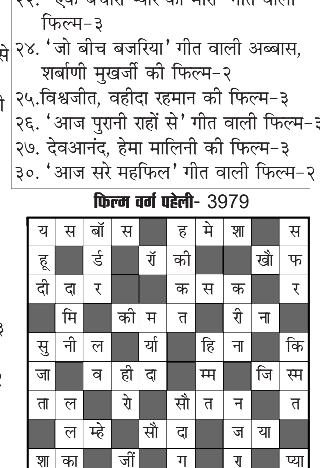

## सूडोकु -3980

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 4 | | | | 3 | |
| | | 6 | | 2 | | 4 | | |
| | | 8 | | | 5 | | | |
| | 3 | | | | | | 7 | |
| 7 | | | | 4 | | | | 9 |
| | 9 | | | | | | 5 | |
| | | | 2 | | | 1 | | |
| | | 1 | | 7 | | 6 | | |
| | 5 | | | | 3 | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3979 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 3 | 1 |
| 3 | 6 | 4 | 1 | 5 | 7 | 8 | 9 | 2 |
| 9 | 2 | 1 | 6 | 3 | 8 | 7 | 4 | 5 |
| 6 | 5 | 3 | 2 | 8 | 4 | 9 | 1 | 7 |
| 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 | 5 | 8 |
| 4 | 9 | 8 | 7 | 1 | 5 | 2 | 6 | 3 |
| 2 | 4 | 7 | 5 | 6 | 1 | 3 | 8 | 9 |
| 5 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 1 | 7 | 6 |
| 8 | 1 | 6 | 9 | 7 | 3 | 5 | 2 | 4 |

## शब्द पहेली - 3980

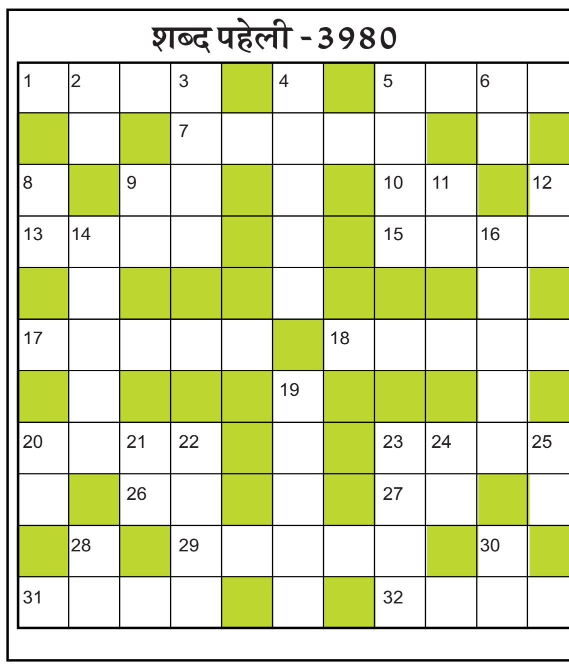

**बाएँ से दाएँ**

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

**ऊपर से नीचे**

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3979 का हल

# ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी...

**रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के लिए केप टाउन पहुंचीं फरहाना भट्ट के लिए यह सफर सिर्फ खतरनाक स्टंट्स का नहीं बल्कि खुद से लड़ाई का भी था। खास बातचीत में उन्होंने उस पल को याद किया, जब एक स्टंट के दौरान सब कुछ छोड़कर भारत लौटने तक का मन बना लिया था।**

### रोहित शेट्टी भी रह गए थे हैरान

शो का पहला ही स्टंट फरहाना को उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया। वह कहती हैं, 'पहला स्टंट ही मेरे कंफर्ट जोन से बहुत बाहर था। मुझे खुद नहीं पता था कि मैं वो स्टंट कर भी पाऊंगी या नहीं। लेकिन जब मैंने उसे पूरा किया तो रोहित सर भी थोड़ा सरप्राइज थे। वो स्टंट मेरी पहुंच और मेरे कंफर्ट जोन, दोनों से बहुत बाहर था।'

### उस पल लगा कि मुझे इंडिया वापस जाना है

फरहाना उस भयावह पल को याद करते हुए कहती हैं, 'एक दिन ऐसा आया था, जब स्टंट के दौरान मेरी जिंदगी का सबसे डरावना पल सामने आया। उस वक्त मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि बस अब मुझे इंडिया वापस जाना है। मुझे घर जाना है। कुछ पल के लिए मैं पूरी तरह घबरा गई थी। सच कहूं तो उस वक्त लगा कि अब मुझसे नहीं होगा।'

### 'खतरों के खिलाड़ी' भी मेरा डर खत्म नहीं कर पाया

जहां कई प्रतियोगी कहते हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनका डर खत्म कर दिया, वहीं फरहाना का जवाब बिल्कुल अलग है। वह साफ कहती हैं, 'मेरा कोई भी फियर दूर नहीं हुआ। मेरे सारे फियर आज भी बरकरार हैं।'

### अब छोटी-छोटी बातों पर हंसी आती है

फरहाना आगे कहती हैं, 'एक बड़ा बदलाव शो कारण जरूर आया है। अब मुझे लगता है कि मैं जिंदगी में उन हालात से गुजर चुकी हूं, जहां इंसान मौत के बहुत करीब पहुंच जाता है। इसलिए अब लाइफ में कुछ भी होता है तो मैं उसे बहुत शांत होकर देखती हूं। कई बार तो कुछ परिस्थितियों पर हंसी भी आ जाती है कि अच्छा यह सब हो रहा है, चलो ठीक है।'

### रुबिना और करण ने साथ दिया

फरहाना बताती हैं कि शो में रुबिना और करण ने सबसे ज्यादा साथ दिया। वह कहती हैं, 'वैसे तो सभी लोगों ने मुझे सपोर्ट किया, लेकिन अगर नाम लेने हों तो मैं रुबिना और करण का नाम लूंगी। दोनों ने पूरे सफर में मेरा साथ दिया।'

साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग देने की बारी आई तो फरहाना ने सबसे पहले अपना ही नाम लिया।

वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया। 'अंडररेटेड' के लिए उन्होंने अपना और ओरी का नाम लिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए खुद को चुना, जबकि सबसे बड़े एंटरटेनर का टैग हर्ष गुजराल को दिया।

### बिग बॉस से ज्यादा मुश्किल है 'खतरों के खिलाड़ी'

'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की तुलना पर फरहाना कहती हैं, 'खतरों के खिलाड़ी ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि यह शो आपको सिर्फ फिजिकली नहीं मेंटली भी बहुत थका देता है। जब तक आप मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे, तब तक स्टंट कर ही नहीं सकते हैं। हर स्टंट में आपका दिमाग और शरीर दोनों सौ फीसदी काम करते हैं। इसलिए मेरे लिए 'खतरों के खिलाड़ी' ज्यादा थका देने वाला शो रहा।'

# सलमान खान की अपकमिंग फिल्म में विलेन के किरदार में होंगे जैकी श्रॉफ

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'SVC63' की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने शुक्रवार को मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिमन्यु सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी।

### क्या अनिल कपूर निभाएंगे रोल

दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

### ईद पर आ सकती है फिल्म

फिलहाल 'SVC63' के नाम से जानी जा रही यह फिल्म अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में आ सकती है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है, खासकर इसलिए क्योंकि सलमान बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फ्लॉप फिल्मों के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

### सलमान खान का वर्कफ्रंट

'SVC63' के अलावा, सलमान के पास 'मातृभूमि' भी पाइपलाइन में है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही पूरा हो चुका है। इसे शुरू में अप्रैल में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।

# भोजपुरी सिनेमा में आउटसाइडर होने पर काजल राघवानी का छलका दर्द

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों चर्चित रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिए गए विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उन्हें इंडस्ट्री में कई बार 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' कहकर अलग महसूस कराया गया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री के नामी लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें बाहरी महसूस करवाया। साथ ही, ये भी इल्जाम लगया कि वे लोगों से रो-रोकर काम मांगती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने नोट पर किसी का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, 'मैं गुजराती और आउटसाइडर हूं, रो-रोकर सभी से काम मांगती हूं। साथ ही, हमदर्दी ले रही हूं। इन कुछ दिनों में हमारे दर्शकों से जितना मैंने नहीं बोला उससे ज्यादा तो लोगों ने मुझे एहसास करवा दिया गया।

अभिनेत्री ने बताया कि वे यूपी, बिहार को अपनी कर्मभूमि मानती हैं। साथ ही, उन्होंने भोजपुरी दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है, तो मुझे इसका सबूत चाहिए कि मैंने कहा बोला है। साथ ही, ये मेरी कर्म भूमि है, मैं हमेशा इस इंडस्ट्री और यहां की जनता की शुक्रगुजार रहूंगी कि उन्होंने मुझे ढ़ेर सारा प्यार दिया और यहां तक पहुंचाया।

उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैं यहीं कि रहने वाली हूं, मैंने यहां की हर चीज अपनाई है। 16 साल भोजपुरी इंडस्ट्री में काम किया है और मैं कहना चाहूंगी कि अगर मैंने यहां की जनता, मिट्टी और धरती को तहे दिल से नहीं अपनाया होता, तो इतने सालों तक इंडस्ट्री में काम ही नहीं कर पाती और न ही मुझे कोई यहां पर काम देता। अभिनेत्री ने सभी को वॉर्निंग देते हुए कहा कि अब उन्हें आउटसाइडर कहना बंद कर दें। उन्होंने लिखा, 'अब कुछ लोग मुझे ये सुनाना बंद कर दें कि मैं एक आउटसाइडर हूं या आउटसाइडर का विक्टिम कार्ड खेल रही हूं, लोगों से हमदर्दी या रो-रोकर काम ले रही हूं। मैं तो नहीं मान रही कि मैं आउटसाइडर हूं, लेकिन हां, मुझे ये एहसास करवाया जा रहा है कि मैं बाहरी हूं। क्योंकि आप लोग यूपी बिहार से हैं। '

# 'सतलुज' विवाद पर जिमी शेरगिल की प्रतिक्रिया

फिल्म 'सतलुज' पर हाल ही में जिमी शेरगिल ने अपना रिएक्शन दिया है। इस फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो अभिनेता ने कहा कि इतिहास के राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर को दिखाने वाली फिल्में अक्सर मुश्किलों में पड़ जाती हैं, क्योंकि वे छिपे हुए सच सामने लाती हैं। इससे चीजें अपने आप पेचीदा और राजनीतिक हो जाती हैं।

जिमी शेरगिल ने क्या कहा? संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म 'सतलुज' रिलीज क्यों नहीं हो पाई, जबकि इसी तरह के विषय पर बनी उनकी अपनी पहली फिल्म 'माचिस' को काफी सराहा गया था। जिमी शेरगिल ने इसका दिलचस्प जवाब दिया। फिल्म 'सतलुज' रिलीज विवाद को लेकर शेरगिल शेरगिल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'राजनीति होती है और हमेशा होती रहेगी, लेकिन जब ऐसे मुद्दों को उठाया जाता है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे हर पहलू खुलकर सामने आता है। जब आप संवेदनशील मामलों के किसी एक पहलू को भी छूते हैं, तो दूसरे छिपे हुए पहलू भी सामने आ जाते हैं। तो, यही इसकी राजनीति है'।

जी5 से हटाई गई सतलुज बता दें कि एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' पिछले महीने भारत में रिलीज हुई थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही यह भारत में इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रही। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी पर बनी यह फिल्म तीन साल से ज्यादा समय तक सेंसरशिप में फंसी रही और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसमें 127 से ज्यादा कट लगाने को कहा था।

# भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनीं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। स्क्रीन पर शानदार परफॉर्मेंस देने से लेकर एक कामयाब कारोबारी बनने तक इस अभिनेत्री ने फिल्मों से आगे बढ़कर अपना प्रभाव बढ़ाया है।

उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है, जिसमें वह भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए देश का सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी ब्रांड का स्थान हासिल किया है। जहां शाहरुख खान ने ओवरऑल रैंकिंग में टॉप स्थान बनाए रखा, वहीं आलिया ने 93.9 मिलियन (लगभग 892 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ छठा स्थान हासिल किया। उनकी रैंकिंग उन्हें कई बड़े पुरुष एक्टर्स से भी आगे रखती है। इनमें उनके पति रणबीर कपूर भी शामिल हैं, जो 80 मिलियन (लगभग 761 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ 10वें स्थान पर हैं। टॉप 10 में शामिल होने वाली दूसरी महिला सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण हैं। वह 89.2 मिलियन (लगभग 849.35 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर हैं। आलिया की लगातार तरक्की सिर्फ फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की वजह से नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में, एक्ट्रेस ने बॉक्स ऑफिस हिट्स से लेकर कारोबार में भी अपनी खास पहचान बनाई है। वह कई ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं।

### बनाया अपना ब्रांड

आलिया भट्ट ने बच्चों और माताओं के लिए अपना एक ब्रांड शुरू किया है। उन्होंने कुछ स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। आलिया भट्ट ने फिल्म प्रोडक्शन के जरिए एक्टिंग के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी अपनी काबिलियत साबित की है।

# इश्क विश्क रिबाउंड के बाद नये सफर पर पश्मीना रोशन

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रेमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी।

फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है।

पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था। फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शिल्पा विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलगांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे। अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज़ में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।